11 नवंबर 2025

मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

एनआईटी सिलचर हादसे में बक्सर का लाल सौहार्द की गई जान, डॉक्टर बनने का सपना रह गया अधूरा

2

मुंबई, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में हाई अलर्ट

दिल्ली में लाल किले के पास कार में ब्लास्ट, 11 की मौत, 30 घायल

धीमी गति से चल रही गाड़ी, रेड लाइट पर रुकी और हो गया धमाका

दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने बताया कि आज शाम करीब 6 बजकर 52 मिनट पर एक धीमी गति से चल रही गाड़ी रेड लाइट पर रुकी थी। उसी दौरान उस वाहन में धमाका हुआ।

शाम 6 बजकर 52 मिनट पर धमाका: पुलिस कमिश्नर

दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि शाम 6 बजकर 52 मिनट पर चलती हुई कार में धमाका हुआ है। पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया, ₹आज शाम करीब 6.52 बजे एक धीमी गति से आ रही गाड़ी रेड लाइट पर रुकी। उस गाड़ी में विस्फोट हुआ और विस्फोट की वजह से आस-पास की गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा।

सीएम रेखा गुप्ता ने जताया दुख

दिल्ली धमाके पर सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट में लिखा- लाल किले के पास हुई कार विस्फोट की घटना अत्यंत पीड़ादायक और चिंताजनक है. इस दुखद हादसे में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करती हूँ. ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों।

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक कार में जबरदस्त धमाका हुआ। इस धमाके में 11 लोगों की मौत हो गई है जबकि 30 लोग घायल हुए हैं। इस घटना के बाद दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। बताया जाता है कि धमाके के साथ कार धू-धू कर जलने लगी। यह ब्लास्ट लाल किला मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 1 के पास हुआ। इस घटना की सूचना मिलते ही दमकल की 7 गाड़ियां घटनास्थल की ओर रवाना हो गईं। बताया जाता है कि ब्लास्ट की वजह वहां खड़ी कई गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गईं। एसएफएल की टीम और दिल्ली पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि ब्लास्ट फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास शाम 6.52 बजे हुआ। जानकारी मिली है कि यह कार हरियाणा के गुरुग्राम में रजिस्टर्ड है। घटना के बाद गृह मंत्री अमित शाम एलएनजीपी अस्पताल पहुंचे। इसके बाद उन्होंने घटनास्थल पर जाकर अफसरों से घटना और जांच की जानकारी ली। इस बीच पुलिस ने इलाके को घेर लिया है। फोरेंसिक टीम पहुंच गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एनआईए और एनएसजी भी पहुंच चुकी हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह से बात करके घटना की जानकारी ली थी। धमाके के बाद दिल्ली समेत मुंबई, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। दिल्ली में रेड फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए धमाके के बाद उत्तर प्रदेश को अलर्ट पर रखा गया है। एएनआई से बातचीत में उत्तर प्रदेश के एडीजी (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि डीजीपी ने राज्य के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, संवेदनशील जिलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी ने मृतकों के प्रति शोक जताया

पीएम मोदी ने दिल्ली ब्लास्ट में मृतकों के प्रति शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-'आज शाम दिल्ली में हुए विस्फोट में अपनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित लोगों की सहायता अधिकारी कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह जी और अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की।

राजनाथ सिंह ने कहा- ये घटना बेहद दर्दनाक

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिल्ली में कार ब्लास्ट की ये घटना बेहद दर्दनाक और परेशान करने वाली है। इस शोक के पल में, मरने वालों के परिवारों को मेरी संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

शाह अस्पताल और घटनास्थल पहुंचे

घटना के बाद शाह एलएनजीपी अस्पताल पहुंचे। वे कुछ देर में घटनास्थल भी पहुंचेंगे। इधर, पुलिस ने इलाके को घेर लिया है। फॉरेंसिक टीम पहुंच गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एनआईए और एनएसजी को भी घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। इससे पहले पीएम मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह से बात करके घटना की जानकारी ली थी। धमाके के बाद दिल्ली समेत मुंबई, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

राहुल गांधी ने दुख जाहिर किया

इस घटना पर दुख जाहिर करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, ₹दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट की खबर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। इस दुखद हादसे में कई निर्दोष लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। इस दुख की घड़ी में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ा हूं और उनको अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

पटना में बड़ा हादसा, घर की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

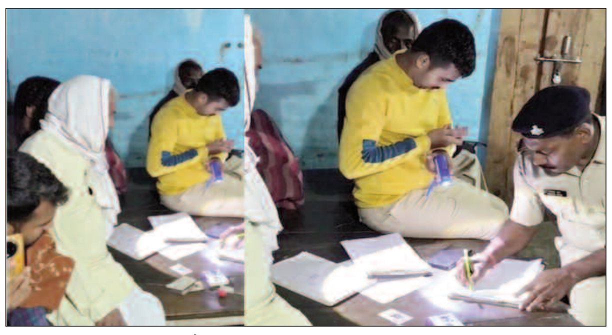

एजेंसी/पटना

पटना जिले के दानापुर दियारा अंतर्गत अकीलपुर थाना क्षेत्र के मानस पंचायत स्थित मानस नया पानापुर गांव में घर की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों कहना है कि घर के सभी लोग सो रहे थे, अचानक छत भरभरा कर गिर गई। इसमें तीन बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इधर, छत गिरने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मरने वालों की पहचान बबलू (36) उसकी पत्नी रोशन खातून (32) बेटी रुखसार (12) चांदनी (2) और बेटे चांद (10) के रूप में हुई। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। उनका कहना है की रोजाना की तरह पूरा परिवार खाना खाकर सो रहा था, इसी दौरान यह घटना हुई। हादसा इतना भीषण था कि परिवार के सभी पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इधर, स्थानीय लोगों कहना है कि कुछ साल पहले ही बबलू को यह मकान आवास योजना के तहत मिला था। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह मकान इतना कमजोर होगा। बबलू आर्थिक तंगी के कारण मकान की मरम्मत नहीं करवा पा रहा था। लोगों ने प्रशासन से अपील है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और पूरी घटना की जांच करे।

एक्टर धर्मेंद्र की हालत नाजुक वेंटिलेटर पर रखा गया

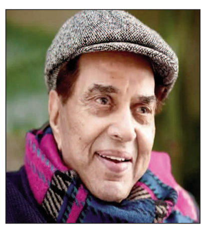

एजेंसी/मुंबई

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार उन्हें सांस लेने में तकलीफ के चलते वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। डॉक्टरों के मुताबिक धर्मेंद्र के लिए अगले 72 घंटे बेहद मुश्किल हैं। हेमा मालिनी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, धर्मेंद्र जी अस्पताल में हैं। डॉक्टर उनकी देखभाल कर रहे हैं। परिवार उनके साथ है। साथ ही एक्ट्रेस ने सभी से धर्मेंद्र की जल्दी सेहतमंदी के लिए दुआ करने को भी कहा है। हालांकि उनकी स्थिति को लेकर सनी देओल की टीम की तरफ से बयान जारी किया गया है। बयान में कहा गया- 'हमेशा की तरह यह सिर्फ अफवाह हैं। सर बेहतर हो रहे हैं। वे ऑब्जर्वेशन में हैं। घबराने की कोई बात नहीं है। के सूत्रों के मुताबिक धर्मेंद्र के परिवार के सदस्य अस्पताल में मौजूद हैं। हेमा मालिनी धर्मेंद्र से मिलने अस्पताल पहुंची हैं। वहीं उनकी दूसरी बेटी अहाना देओल को वरअ से बुलाए जाने की खबर है।

राहुल गांधी के पास सबूत हैं तो चुनाव आयोग में करें शिकायत, झूठ फैलाना करें बंद : राजनाथ सिंह

एजेंसी/नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लगता है कि बिहार में वोट चोरी हो रहे हैं, तो उन्हें सबूतों के साथ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करानी चाहिए, न कि झूठ फैलाना चाहिए। सासाराम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के पास अब मुद्दों की कमी हो गई है, इसलिए वे निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस जाति, पंथ और धर्म के नाम पर लोगों में फूट डालती है। यह सकारात्मक राजनीति का संकेत नहीं है।' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत कभी किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन यदि कोई भारत को उकसाएगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। यह अभियान पहलगाम आतंकी हमले के बाद किया गया प्रतिघाती अभियान था, जिसमें अप्रैल में 26 लोग मारे गए थे। राजनाथ सिंह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, बंद नहीं किया गया। अगर आतंकवादी फिर से भारत पर हमला करने की कोशिश करेंगे, तो हम और भी कड़े तरीके से जवाब देंगे। हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा है। भारतीय बलों ने आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया।राहुल गांधी द्वारा रक्षा सेवाओं में आरक्षण से जुड़े बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने कहा, 'रक्षा बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। यहां तक कि ह्यडायनह्न भी एक घर छोड़ देती है, लेकिन कांग्रेस ने राजनीति में ऐसी मयार्दा भी नहीं छोड़ी।

सीमा सुरक्षा में नई मिसाल

सीमा पार से आने वाले ड्रोन को मार गिराएगा महिलाओं का 'दुर्गा ड्रोन स्क्वाड्रन'

एजेंसी/नई दिल्ली

सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' की महिला जवान, सीमा पार से आने वाले ड्रोन को मार गिराएंगी। बीएसएफ द्वारा इसके लिए पहले महिला ड्रोन स्क्वाड्रन, जिसे 'दुर्गा ड्रोन स्क्वाड्रन' का नाम दिया गया है, की ट्रेनिंग जोर-शोर से चल रही है। यह ट्रेनिंग बल के ग्वालियर स्थित 'स्कूल ऑफ ड्रोन वॉरफेयर' में प्रदान की जा रही है। इस ट्रेनिंग का मकसद, महिला जवानों को आधुनिक तकनीक से लैस कर सीमा प्रबंधन और सुरक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी को ज्यादा सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान, महिला प्रहरियों को ड्रोन उड़ाने, नियंत्रित करने और निगरानी मिशनों के लिए डेटा एकत्रित करने की विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। बीएसएफ के मुताबिक, डीजी दलजीत चौधरी की प्रेरणा से सीमा सुरक्षा बल के इतिहास में यह एक नया अध्याय जुड़ गया है। वर्तमान समय में युद्ध, बल से नहीं, बल्कि तकनीक से लड़ा जा रहा है। महिलाओं की तीन विशेषताएं, 'धैर्य-सटीकता-दृढ़ता' को पहचान कर ड्रोन संचालित ऑपरेशन में उनकी विशेष भूमिका को समाहित करने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमी के निदेशक डॉ. शमशेर सिंह, आईपीएस, एडीजी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रारंभ किया गया है। इस ट्रेनिंग का मकसद, प्रशिक्षुओं को सीमा पार से आने वाले ड्रोन खतरों से निपटने के उपाय, इलेक्ट्रॉनिक डिटेक्शन और रेस्पांस सिस्टम की जानकारी दी जा रही है। ड्रोन के माध्यम से खोज-बचाव कार्यों और आपदा परिस्थितियों में सहायता के लिए तकनीकी दक्षता विकसित की जा रही है। यह विशेष ड्रोन प्रशिक्षण न केवल, महिला प्रहरियों की तकनीकी क्षमताओं को निखारने का माध्यम है, बल्कि उन्हें भविष्य की स्मार्ट सीमा सुरक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनने की दिशा में अग्रसर करता है।

मंदिर केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं, आस्था का आधार और समाज को जोड़ने वाली डोर है : पन्ना लाल जायसवाल

■ सादगी और श्रद्धा की मिसाल-पन्ना लाल जायसवाल की सेवा-कथा

रजनीकांत दूबे/डुमरांव

बक्सर जिले के डुमरांव में जन्मे पन्ना लाल जायसवाल ने जो काम किया, वह असाधारण है। उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई और जीवन की ऊर्जा मंदिरों के पुनर्निर्माण और धार्मिक संरक्षण में समर्पित कर दी। आज वे न सिर्फ एक श्रद्धालु व्यक्ति हैं बल्कि सादगी, समर्पण और सेवा के प्रतीक बन चुके हैं। पन्ना लाल जायसवाल का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। गांव की मिट्टी में पले-बढ़े पन्ना ने हमेशा ह्लसेवा ही सच्ची पूजा माना हैह्व का संस्कार पाया। जीवन के आरंभिक दौर से ही उन्होंने कभी अपने भीतर की आस्था को मंद नहीं पड़ने दिया। जब अधिकांश लोग निजी सुविधाओं और आधुनिकता की ओर भाग रहे थे। पन्ना लाल जायसवाल ने तय किया कि वे धार्मिक धरोहरों को संवारेंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों

से जुड़ी रहें। उन्होंने सबसे पहले डुमरांव स्टेशन रोड स्थित अंजान ब्रह्मबाबा के मंदिर का जीर्णोद्धार किया। उसके बाद वर्ष 1982 में डुमरांव राजजगढ़ स्थित हनुमान जी के मंदिर का जीर्णोद्धार किया। यह

कदम यहीं नहीं रुके और नगर पंचित काली मंदिर जो शहर से दूर हुआ करता था। काव नदी पार करने में लोगों को कठिनाई होती थी। उस मंदिर में जाने के लिए अपने पुल बनवाने से लेकर मंदिर को इतना भव्य स्वरुप प्रदान किया इन्होंने कि आज वो मंदिर कई धार्मिक आयोजनों, शादी, छेंका जैसे आयोजनों का केंद्र बन गया है। इसके बाद उन्होंने रुख किया डुमरांव राजगढ़ चौक स्थित काली मंदिर की ओर। पहले काफी छोटा मंदिर हुआ करता था लेकिन अपने परिवार की भूमि को दान में देकर 125 फूट ऊंची मंदिर का निर्माण करा दिया, जिसे दूर-दूर से लोग देखने के लिए और दर्शन के लिए आते हैं। मंदिरों के पुनर्निर्माण का कार्य अपने निजी प्रयास और सहयोग से इन्होंने किया है। पन्ना लाल जायसवाल से पूछे जाने पर कहते हैं ह्लह्लमंदिर केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि आस्था का आधार और समाज को जोड़ने वाली डोर हैंह्वह्व। बिना किसी सरकारी सहायता या प्रचार की इच्छा के उन्होंने स्थानीय लोगों को जोड़ा, चंदा नहीं बल्कि विश्वास एकत्रित किया। पन्ना लाल जायसवाल अपनी सादगी और संयमित जीवन के लिए जाने जाते हैं। वे महंगे वस्त्र या विशेष आडंबर से दूर रहते हैं और अपने अधिकतर समय को समाजसेवा में लगाते हैं। जो कुछ कमाते हैं, उसका बड़ा हिस्सा वे मंदिरों के पुनर्निर्माण पर खर्च कर देते हैं। लोग कहते हैं कि जब भी किसी मंदिर में दीप जलता है, उसके पीछे कहीं न कहीं पन्ना जी की निःस्वार्थ भावना काम करती है। उनके कार्यों से न सिर्फ मंदिरों की मरम्मत हुई बल्कि समाज में एकता और आध्यात्मिकता की नई चेतना जागी। विभिन्न जातियों और वर्गों के लोग एक साथ श्रमदान और भंडारा आयोजन में जुटते हैं। यहां धर्म नहीं, मानवीयता का उत्सव मनाया जाता है और यही है पन्ना जायसवाल की सबसे बड़ी उपलब्धि है। पन्ना जायसवाल ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची भक्ति ईश्वर के सामने सिर झुकाने में नहीं, बल्कि समाज के लिए कुछ करने में है। उन्होंने बिना शोर-शराबे के, बिना किसी पद या पुरस्कार की चाह के, श्रद्धा को कर्म में बदला। आज वे न केवल मंदिरों के पुनर्निमार्ता हैं बल्कि लोगों के दिलों में विश्वास और सादगी के पुजारी बन चुके हैं।

बक्सर जिले के राजापुर गांव का इकलौता बेटा सौहार्द भी शामिल, पूरे इलाके में पसरा मातम

एनआईटी सिलचर हादसे में बक्सर का लाल सौहार्द की गई जान, डॉक्टर बनने का सपना रह गया

○ असम के झरने में डूबकर तीन छात्रों की मौत

केटी न्यूज/चौसा

असम के दीमा हसाओ जिले में हुए दर्दनाक हादसे ने बिहार के बक्सर जिले के राजापुर गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है। झरने में नहाने के दौरान एनआईटी सिलचर के तीन छात्रों की डूबने से मौत हो गई, जिनमें बक्सर का होनहार छात्र सौहार्द उर्फ अंकित राय भी शामिल था। सौहार्द अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, जिसकी सफलता के सपनों पर पूरा परिवार टिका था। बेटे की असमय मौत ने न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव को हिला कर रख दिया है।

राजापुर पंचायत के रहने वाले ब्रजेश राय, जो पेशे से एलआईसी एजेंट हैं, ने बेटे को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए वर्षों पहले गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में किराये का मकान लेकर बस गए थे। खेती-बारी छोड़ उन्होंने हर वह त्याग किया जिससे सौहार्द के भविष्य को संवार सकें। पिता का सपना था कि बेटा डॉक्टर बने और समाज में नाम रोशन करे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

सौहार्द ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय से पूरी की और अपनी मेहनत व प्रतिभा के दम पर एनआईटी सिलचर में प्रवेश पाया था। वह पहले सेमेस्टर का छात्र था और चिकित्सा क्षेत्र में करियर बनाना चाहता था। गांव के लोगों के मुताबिक, वह पढ़ाई में अव्वल और बेहद संस्कारी युवक था। उसकी बहन चुलबुल दिल्ली में रहकर उच्च शिक्षा की तैयारी कर रही है। दोनों भाई-बहन परिवार की उम्मीदों के केंद्र थे।

शनिवार को सौहार्द अपने दोस्तों के साथ असम के मशहूर बुलचोल (हमुनथाजाओ) झरने घूमने गया था। सैर-सपाटे के दौरान तीनों छात्र नहाने लगे, तभी अचानक वे झरने की गहराई में फंस गए। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से तीनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे की खबर मिलते ही राजापुर और गाजीपुर में कोहराम मच गया। परिजन असम पहुंचकर सौहार्द का शव वाराणसी लाए, जहां सोमवार की देर शाम उसका अंतिम संस्कार किया गया। चिता की लपटों के बीच पिता ब्रजेश राय के क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। वे रोते हुए बस यही कह रहे थे ह्लबेटा डॉक्टर बनकर लौटेगा, यही सपना था... मगर अब सब खत्म हो गया।ह्व

गांव के लोग बताते हैं कि सौहार्द जैसा मेधावी और विनम्र लड़का पूरे इलाके में मिसाल था। उसकी मौत से न सिर्फ राजापुर, बल्कि पूरे बक्सर और गाजीपुर इलाके में शोक की लहर फैल गई है। गांव में सन्नाटा पसरा है, हर आंख नम है और हर जुबान पर एक ही सवाल है कि क्यों इतनी जल्दी चला गया सौहार्द।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमराँव

चिंगारी बनी शोला, एक बीघे में लगी गन्ना की फसल खाक

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव में चिंगारी से लगी आग में एक बीघे में लगी गन्ना की खड़ी फसल जलकर राख हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय गांव निवासी विश्वनाथ कुम्हार अपने खेत में गन्ना की फसल उगाए थे। फसल तैयार भी हो गई थी। सोमवार की दोपहर अचानक उनके खेत के बगल में किसी ने आग लगाई थी, जिससे निकली चिंगारी से खेत में आग पकड़ लिया। पीड़ित किसान जबतक माजरा समझता तथा ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास करता, तबतक एक बीघे में लगी गन्ने की फसल पूरी तरह से जल चुकी थी। पीड़ित

किसान विश्वनाथ की माने तो इस घटना में उसे करीब एक लाख रूपए का नुकसान हुआ है। घटना के बाद से पीड़ित किसान काफी मायूश है। उसके पूरे साल की कमाई अगलगी की घटना में स्वाहा हो गई है। किसान का कहना है कि वह जल्दी ही गन्ने की फसल की कटाई करवाने वाला था, लेकिन इसके पहले ही वह अगलगी की भेट चढ़ गई।

एनएच 120 पर खलवा ईनार के समीप हुई घटना प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को किया गया रेफर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर सोमवार की सुबह बालू लदा एक डंपर दूसरे वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस घटना में डंपर चालक व सह चालक दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो सुबह में एक डंपर जिस पर बालू लदा था, कोरानसराय की तरफ से आ रही थी। जैसे ही उक्त डंपर खलवा ईनार के समीप पहुंची कि चालक पूर्वी लेन से अपने आगे खड़े वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, जिससे उसकी आगे खड़ी वाहन से टक्कर हो गई। इस दौरान डंपर की स्पीड बहुत अधिक थी। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसका केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस घटना में डंपर चालक व सह चालक दोनों को गंभीर चोटे आई थी। हालांकि, लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें इलाज के लिए तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं, जानकारों का कहना है कि यह एक दिन की बात नहीं है। बल्कि सुबह में हर दिन इस पथ पर ट्रक चालक इसी तरह के आपा-धापी में रहते है। जिस कारण अक्सर दुर्घटनाएं होते रहती है। लोगों ने बताया कि पिछले सप्ताह भी ऐसी घटना हुई थी। बताया जाता है कि डुमरांव में नो-इंट्री लागू होने के पहले ट्रक चालक शहर की सीमा से निकलने का प्रयास करते है। इस दौरान इस पथ पर पैदल चलने लायक जगह भी नहीं बचती है। जिस कारण सामान्य यात्रियों तथा स्कूली छात्रों को हर दिन जान जोखिम में डालना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सुबह में डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर ट्रकों के परिचालन से कई बार भयंकर जाम लगता है, जिससे यात्रियों की टेज्न तक छूट जाती है। वहीं, सबकुछ जानते हुए भी संबंधित पदाधिकारी बेफिक्र बने हुए है। जिस कारण लोगों में गहरा आक्रोश है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

केसठ के पश्चिमी बधार में शुरू हुई धान की कटाई

■ खेतों में गूंजने लगी हार्वेस्टर की आवाज, फसल बटोरने में जुटे किसान

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के पश्चिमी बधार क्षेत्र में सोमवार से धान की कटाई का कार्य पूरे जोरों पर शुरू हो गया है। खेतों में सुनहरी बालियों से लहराते धान अब कटने लगे हैं। सुबह होते ही किसान खेतों की ओर निकल पड़ते हैं और अपनी मेहनत की फसल को बटोरने में जुट जाते हैं। कहीं आधुनिक हार्वेस्टर मशीनों की आवाज गूंज रही है तो कहीं किसान परंपरागत हंसिया से फसल काटते दिखाई दे रहे हैं। बीते दिनों हुई लगातार बारिश से कुछ किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा था। कई खेतों में पानी भर जाने के कारण धान की बालियां झुक गई थीं, जिससे किसानों के चेहरों पर चिंता साफ झलक रही थी। हालांकि अब मौसम खुलने के बाद राहत का माहौल है और किसानों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई है। कटाई

के दौरान खेतों में नई रौनक देखने को मिल रही है।

स्थानीय किसान बबन यादव, अनु सिंह और रामप्रवेश राम ने बताया कि बारिश से थोड़ी-बहुत क्षति जरूर हुई, लेकिन कुल मिलाकर इस बार पैदावार संतोषजनक रही है। उन्होंने कहा कि "मेहनत रंग लाई है, अब हम अनाज को सुरक्षित घर पहुंचाने में जुटे हैं।" वहीं किसान संतोष आर्य ने बताया कि "हार्वेस्टर से काम जल्दी निपट जाता है, पर कई किसान आज भी परंपरा निभाते हुए हाथ से कटाई करना पसंद करते हैं। धान की कटाई के साथ ही अब पश्चिमी बधार क्षेत्र के खेतों में हलचल बढ़ गई है। महिलाएं पूवाल (धान का भूसा) बटोरने में व्यस्त हैं, जबकि बच्चे भी खेतों में खेलते-कूदते नजर आ रहे हैं। हर ओर खेतों की हरियाली और फसल की खुशबू वातावरण में नई ताजगी भर रही है। कुल मिलाकर, कुछ क्षति के बावजूद किसानों में उत्साह और उम्मीद की लहर है। धान की सुनहरी बालियां न सिर्फ उनके परिश्रम का प्रतीक हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संकेत भी दे रही हैं। केसठ के पश्चिमी बधार में इस समय फसल की कटाई ने पूरे इलाके को जीवंत बना दिया है – हर ओर सिर्फ एक ही दृश्य है, मेहनत का फल काटते किसान। क्या आप चाहेंगे कि मैं इस खबर के साथ एक उपयुक्त कैप्शन और फोटो विवरण भी जोड़ दूँ ताकि यह अखबार या न्यूज वेबसाइट पर छपने लायक लगे?

पंचकोशी परिक्रमा का दूसरा पड़ाव नदांव: श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन का अद्भुत संगम

- नारद सरोवर में आस्था की डुबकी, हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजा नदांव आश्रम

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व प्रसिद्ध पंचकोशी परिक्रमा मेला का दूसरा दिन सोमवार को पूरी तरह श्रद्धा और भक्ति के रंग में डूबा रहा। भगवान श्रीराम की तपोभूमि बक्सर की यह दिव्य यात्रा जब दूसरे पड़ाव नदांव (नारद आश्रम) पहुंची, तो वहां का वातावरण ह्लहर-हर महादेवह्व और ह्लजय श्रीरामह्व के गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा। हजारों श्रद्धालु नारद सरोवर में स्नान कर नर्वदेश्वर महादेव की आराधना में लीन नजर आए।

नारद सरोवर में श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब

सुबह से ही श्रद्धालुओं के जत्थे अहिरौली से नदांव पहुंचने लगे। रास्ते भर भजन, कीर्तन और ह्लराम नाम जयकारेह्व की स्वर लहरियां वातावरण को भक्तिमय करती रहीं। नदांव पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने नारद सरोवर में डुबकी लगाई, जिसे मोक्षदायी स्नान माना जाता है। सरोवर के तट पर भगवान शिव के नर्वदेश्वर रूप की पूजा-अर्चना की गई और भक्तों ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण कर दिव्य संतोष का अनुभव किया। समिति के अध्यक्ष एवं बसांव पीठाधीश्वर अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने बताया कि त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने महर्षि विश्वामित्र का यज्ञ पूर्ण होने के बाद पांच महर्षियों का दर्शन करने का संकल्प लिया था। उसी परंपरा में भगवान श्रीराम दूसरे दिन नारद मुनि के आश्रम, नदांव आए थे। यहां उन्होंने स्नान कर भगवान नर्वदेश्वर महादेव की आराधना की और खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया था। आज भी वही परंपरा अटूट रूप से चली आ रही है।

भक्ति के साथ अनुशासन की मिसाल

नारद सरोवर के चारों ओर सोमवार को अद्भुत दृश्य देखने को मिला। एक ओर साधु-संतों का प्रवचन, दूसरी ओर श्रद्धालुओं के बीच भक्ति की लहरें। हर ओर दीपों की रोशनी और भजनों की गूंज से वातावरण अलौकिक हो उठा। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नारद सरोवर की परिक्रमा की, जिसका नेतृत्व स्वयं अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने किया। परिक्रमा समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भोजन, जल, ठहरने और सुरक्षा की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी। हजारों श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया और रातभर भजन-कीर्तन में लीन रहे। भक्ति और अनुशासन का ऐसा संगम शायद ही कहीं और देखने को मिलता है।

प्रवचनों में झलका आध्यात्मिक संदेश

नारद आश्रम के प्रांगण में प्रसिद्ध प्रवचनकार सुदर्शनाचार्य उर्फ भोला बाबा ने कहा कि पंचकोशी यात्रा केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि जीवन में संयम, त्याग और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य आत्मशुद्धि और लोकमंगल है। संतों ने अपने प्रवचनों में पंचकोशी क्षेत्र के धार्मिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से बताया। श्रद्धालु भक्तिभाव में इतने मग्न थे कि दोपहर बाद तक नदांव में दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी रहीं।

दीपों की रोशनी में झूमता नारद आश्रम

जैसे-जैसे शाम ढली, नारद आश्रम का दृश्य और भी मोहक होता गया। दीपों की लौ से सरोवर का जल आभामय हो उठा। भजन ह्लजय जय शंकर, ओं नमः शिवायह्व की धुनों पर श्रद्धालु झूम उठे। वातावरण में ऐसी ऊर्जा थी, मानो स्वयं देवर्षि नारद वीणा बजा रहे हों। इस अवसर पर डा. रामनाथ ओझा, वर्षा पांडेय, बसांव मठ के अनेक संत-महात्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पंचकोशी यात्रा, श्रद्धा का उत्सव, संस्कृति का संगम

हर वर्ष की तरह इस बार भी पंचकोशी परिक्रमा ने बिहार और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित किया है। यह यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि भारत की जीवंत संस्कृति, एकता और भक्ति का प्रतीक बन चुकी है। ारद सरोवर से उठती भक्ति की गूंज और दीपों की चमक ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक आभा से भर दिया। श्रद्धा, अनुशासन और सेवा का यह समन्वय पंचकोशी परिक्रमा को केवल यात्रा नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव बना देता है।

ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर ठगी, रेडीमेड सूट की जगह उड़ाए 50 हजार रुपये

केटी न्यूज/डुमरांव

ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन के बीच अब ठगों ने इसका नया तरीका खोज लिया है। डुमरांव थाना क्षेत्र के खिरौली गांव की एक युवती इससे बुरी तरह ठगी का शिकार हो गई। मात्र 98 रुपये में सूट खरीदने के चक्कर में युवती ने 50 हजार रुपये गंवा दिए। अब मामला पुलिस और साइबर हेल्पलाइन दोनों के पास पहुंच चुका है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मिशो ऐप के माध्यम से रेडीमेड सूट का ऑर्डर किया था। निर्धारित समय पर डिलीवरी न होने पर उसने गूगल से मिशो कस्टमर केयर नंबर खोजा और उस पर कॉल किया। कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने खुद को मिशो हेल्पलाइन का प्रतिनिधि बताते हुए बताया कि ह्लआपका ऑर्डर कैंसिल हो गया है, आपको दोबारा ऑर्डर करना होगा। पीड़िता ने जब पैसे रिफंड करने की बात कही, तो कॉल करने वाले ने कहा कि ह्लआपको दूसरे नंबर से संपर्क किया जाएगा।ह्व कुछ देर बाद रात में व्हाट्सएप कॉल आया और कथित कस्टमर केयर प्रतिनिधि ने ह्लरिफंड प्रक्रियाह्व के नाम पर पीड़िता से स्क्रीन शेयर करने को कहा। इसी दौरान उसके मोबाइल से बैंक खाते की जानकारी हासिल कर ली गई और कुछ ही मिनटों में उसके खाते से 50 हजार रुपये गायब हो गए।

घटना का एहसास होते ही युवती ने तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दी। त्वरित कार्रवाई में हेल्पलाइन टीम ने संदिग्ध खाते को फ्रीज कर दिया। हालांकि, रकम वापसी को लेकर अभी जांच जारी है। इस मामले को लेकर पीड़िता ने सोमवार की सुबह डुमरांव थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पीड़िता का आवेदन प्राप्त हुआ है, मामला गंभीर है। तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और साइबर अपराधियों का पता लगाने के लिए प्रयास जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए ग्राहक किसी भी स्थिति में गूगल पर उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों पर भरोसा न करें और केवल ऐप या आधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए संपर्क माध्यमों का ही उपयोग करें। ऑनलाइन बाजार के नाम पर ठगों का यह नया जाल अब ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल चुका है, जहां जागरूकता की कमी इन जालसाजों के लिए सबसे बड़ा हथियार बन गई है।

सेवा और श्रद्धा का संगम, केनरा बैंक ने पंचकोशी परिक्रमा में लगाया स्वास्थ्य शिविर

केटी न्यूज/बक्सर

आस्था, श्रद्धा और सामाजिक सेवा का अनोखा संगम सोमवार को पंचकोशी मेला के दूसरे पड़ाव नदांव (नारद आश्रम) में देखने को मिला। जहां एक ओर हजारों श्रद्धालु नारद सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर नर्वदेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना में लीन थे, वहीं दूसरी ओर श्रद्धालुओं की सेवा में केनरा बैंक जसो शाखा ने एक सराहनीय पहल की, बैंक ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कर मानवता का संदेश दिया। बैंक के इस शिविर ने परिक्रमा में शामिल तीर्थयात्रियों को न सिर्फ स्वास्थ्य जांच की सुविधा दी, बल्कि यह भी साबित किया कि आर्थिक संस्थाएं भी समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकती हैं। शिविर का उद्घाटन केनरा बैंक जसो शाखा के प्रबंधक सृष्टि कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि हमारा बैंक केवल वित्तीय सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाजहित के कार्यों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। पंचकोशी मेला जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सेवा करना हमारे लिए सम्मान की बात है। शिविर में उपस्थित चिकित्सक डॉ. अजय ने श्रद्धालुओं का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक प्राथमिक उपचार प्रदान किया।

तारों भरे आसमान के नीचे बच्चों ने दिखाया विज्ञान का कमाल

- लेजेंड स्कूल में बाल मेला और विज्ञान प्रदर्शनी ने बटोरा सबका ध्यान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव का लेजेंड स्कूल सोमवार को रचनात्मकता, उत्साह और विज्ञान के रंगों से सराबोर रहा। अवसर था विज्ञान प्रदर्शनी सह बाल मेला का, जिसमें नन्हे वैज्ञानिकों ने अपने अनोखे प्रयोगों और मॉडल के जरिए सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की सबसे बड़ी आकर्षण रहा लाइव तारामंडल शो, जिसे पहली बार विद्यालय में प्रदर्शित किया गया। इस शो ने बच्चों को अंतरिक्ष और ग्रह-नक्षत्रों की रोमांचक सैर कराई।

विद्यालय परिसर में आयोजित इस भव्य मेले में यूकेजी से लेकर कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों ने विज्ञान मॉडल, हस्तनिर्मित कलाकृतियां और पर्यावरण से जुड़ी रचनाओं के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता का शानदार प्रदर्शन किया। सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों पर प्रस्तुत मॉडल दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बने। अभिभावकों और अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन भविष्य के वैज्ञानिकों की नींव मजबूत करेगा।

विद्यालय के डायरेक्टर संजय कुमार सिंह उर्फ सिंकु सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों में जिज्ञासा, नवाचार और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि बच्चे केवल किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रयोग, अवलोकन और खोज के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को समझें।

उन्होंने आगे बताया कि विद्यालय में लगाया गया लाइव तारामंडल शो विशेष रूप से गोरखपुर से मंगाया गया था, ताकि बच्चों को अंतरिक्ष के रहस्यों को नजदीक से जानने का अनुभव मिल सके। शो देखने के बाद बच्चों ने उत्साहपूर्वक बताया कि यह अनुभव किसी विज्ञान यात्रा से कम नहीं था।

विद्यालय प्रशासन ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं। इनसे न केवल सीखने की प्रक्रिया रोचक बनती है, बल्कि बच्चों में नवाचार की भावना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी विकसित होता है। इस तरह लेजेंड स्कूल की यह विज्ञान प्रदर्शनी और बाल मेला बच्चों के लिए सीख और मनोरंजन का एक जीवंत संगम बन गया, जिसने सभी को यह संदेश दिया कि विज्ञान सिर्फ किताबों में नहीं, हमारी सोच और जिज्ञासा में बसता है। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक रमेश कुमार मिश्र, संजय सिंह, अरूण दूबे, धीरेन्द्र कुमार सिंह, अंबिका चौधरी, ब्रिजेश कुमार, अंकित कुमार, रूचि शर्मा, आनंद दूबे, सतीश ठाकुर, गोपाल चौबे, चंदन कुमार, अजय मिश्र, ब्यूटी जायसवाल, अंजली पांडेय, शिवम अग्रहरी, धनु कुमार, डिंपल, आंकाक्षा, सुमन आदि शिक्षकों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगी

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट और दिनारा विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार 11 नवंबर को लोकतंत्र का महापर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा । मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगी । दोनों ही विधानसभा क्षेत्रों में मतदान को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं । अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक बूथ पर पर्याप्त सुरक्षा बल और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं,ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें । काराकाट विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि काराकाट

विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,28,892 मतदाता हैं,जिनमें 1,73,835 पुरुष,1,55,037 महिला और 20 अन्य मतदाता शामिल हैं । सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए व्यापक प्रशासनिक इंतजाम किए गए हैं । मतदान कर्मी और सुरक्षा बल पूरी तत्परता के साथ अपने-अपने केंद्रों पर रवाना हो चुके हैं । किसी भी स्थिति पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है ।वहीं दिनारा विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह बिक्रमगंज एलआरडीसी संतोष कुमार ने कहा कि दिनारा विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,04,868 मतदाता मतदान करेंगे । इनमें 1,61,771 पुरुष ,1,43,094 महिला और 3 अन्य मतदाता शामिल हैं । सभी मतदान केंद्रों पर प्रकाश, पेयजल,रैंप और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं । मतदान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए सुरक्षा बलों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है । दोनों अधिकारियों ने मतदाताओं से अपील की है कि वे डर या दबाव से मुक्त होकर मतदान केंद्रों तक पहुंचें और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें । सुरक्षा बलों की तैनाती से लेकर ईवीएम की व्यवस्था तक पूरा प्रशासन अलर्ट मोड में है । जिले से लेकर अनुमंडल स्तर तक अधिकारियों द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे ।

अंतिम चरण के मतदान में आज काराकाट और दिनारा की धरती लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा दे रही

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार की सियासत का सबसे निर्णायक संग्राम आज अपने चरम पर है। दूसरे यानी अंतिम चरण के मतदान में आज काराकाट और दिनारा की धरती लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा दे रही है। जनता की उंगली पर लगी स्याही ही तय करेगी कि सत्ता की गद्दी पर कौन बैठेगा और किसका सियासी ताज जमीन पर गिर जाएगा। 9 नवंबर की संध्या 5 बजे जैसे ही चुनाव प्रचार का शोर थमा,सियासी रणभूमि पर खामोशी छा गई। लेकिन इस खामोशी के भीतर है तेज लहराती रणनीति,सुलगते समीकरण और प्रत्याशियों की धड़कनें। आज दोनों विधानसभा में मतदाता वोट की चोट से यह तय करेंगे कि किसका झंडा ऊंचा लहराएगा और किसकी तमाम कोशिशें धूल में मिल जाएंगी ।काराकाट से 13 प्रत्याशी और

दिनारा से 12 प्रत्याशी यानी कुल 25 योद्धा सियासी मैदान में आमने-सामने हैं। हर कोई अपने-अपने क्षेत्र में विकास, जातीय समीकरण, स्थानीय मुद्दों और जनभावनाओं का जाल बुन चुका है, लेकिन अब जनता की खामोश मुहर ही सबकी सच्चाई उजागर करेगी। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें यह संकेत दे रही हैं कि जनता इस बार पूरी तैयारी से मैदान में है। युवाओं में जोश,महिलाओं में उत्साह और बुजुर्गों में उम्मीद साफ झलक रही है। हर आंख में एक ही सवाल कि अबकी बार किसका शासन ? हर मोर्चे पर वोटिंग को लेकर प्रशासन ने पूरे इलाके को किले में तब्दील कर दिया है। बिक्रमगंज अनुमंडल प्रशासन की अगुवाई में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील बूथों पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती और गश्ती दलों की लगातार आवाजाही यह दर्शा रही है कि कोई भी गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काराकाट विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार एवं दिनारा विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह बिक्रमगंज भूमि सुधार उपसमाहर्ता संतोष कुमार ने मतदाताओं से शांतिपूर्वक और निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता लोकतंत्र का प्रहरी है,अपनी आवाज को वोट के जरिए बुलंद करें। वहीं एएसपी सह बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने साफ चेतावनी दी। किसी भी प्रकार की अराजकता,डर या दबाव का प्रयास किया गया तो कठोर कार्रवाई तय है। प्रशासन की नजर हर बूथ पर है। आज काराकाट और दिनारा की जनता यह तय करेगी कि कौन बनेगा सियासत का विजेता और कौन डूबेगा वोटों की लहर में। 11 नवंबर को जनता का निर्णय ईवीएम में बंद होगा और 14 नवंबर को खुलेगा भाग्य का बक्सा। जब साफ हो जाएगा कि बिहार की जनता ने किसे दिया जनादेश और किसे दिखाया दरवाजा। इस बार का जनादेश न सिर्फ दो विधानसभा क्षेत्रों की दिशा बदलेगा, बल्कि पूरे बिहार की सियासी धारा को मोड़ देगा। जनता जाग चुकी है कि अब फैसला भी उसका होगा, इतिहास भी वही लिखेगी।

69 बुथ पर 55 हजार मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

- **प्रशासन ने जारी किया शिकायत निवारण के लिए कन्ट्रोल रूम का टोल फ्री नम्बरे**

केटी न्यूज/रोहतास

प्रतिनिधि राजपुर--क्षेत्र अंतर्गत 11 नवम्बर को कुल 69 बूथों पर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कराया जाएगा.जिसमें कुल 56122 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे.जिसकी तैयारी जिला प्रशासन सह प्रखंड निर्वाचन कार्यालय ने पूरा कर लिया है.मतदान कराने के लिए सोमवार को शाम तक सभी बुथ पर पोलिंग पार्टी पहुंच गये. जानकारी देते हुए बीडीओ सह सहायक निवार्ची पदाधिकारी रविराज ने बताया कि प्रखंड के सभी आठ पंचायत को आठ सेक्टर में विभाजित कर सेक्टर एवं पुलिस पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है.कुल 69 बुथ पर 56122 मतदाता मतदान में भाग लेंगे.जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या

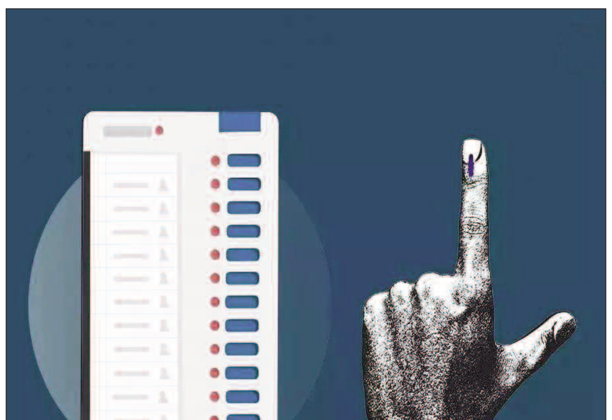

29834,महिला 26286 एवं अन्य दो है. मतदान सुबह सात बजे शुरू हो शाम छः बजे तक चलेगा.मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन आयोग ने निःशक्त अथवा जरूरतमंद मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की सुविधा सभी बुथों पर पहुंचा दिया गया है. क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान से सम्बंधित शिकायतों के निवारण के लिए प्रखंड कार्यालय एवं जिला कार्यालय कंट्रोल रूम होगा.मतदान सम्बंधित किसी शिकायत निवारण के लिए प्रखंड कार्यालय कंट्रोल रूम के लिए 9031071859 एवं जिला कार्यालय कंट्रोल रूम के लिए

सासाराम विधानसभा चुनाव : सभी सेक्टर, जोनल, सुपर जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की ब्रीफिंग संपन्न

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधान सभा आम निर्वाचन-2025 के द्वितीय चरण में रोहतास जिले के सासाराम विधानसभा एवं करगहर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान की तैयारियों के तहत आज मतदान दलों, सभी सेक्टर, जोनल, सुपर जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की ब्रीफिंग बाजार समिति तकिया, सासाराम के डिस्पैच सेंटर पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, रोहतास एवं पुलिस रोहतास, प्रेक्षक उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने मतदान दलों सभी सेक्टर, जोनल, सुपर जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्वाचन कार्य से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान सुनिश्चित करने पर बल दिया। इसके साथ ही मतदान कर्मियों को नियुक्ति पत्र भी दिया प्रदान किया गया। ब्रीफिंग के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कर्तव्य को पूरी संवेदनशीलता से निर्वहन करेंगे।

पीआरओ ऐप के माध्यम से सभी रिपोर्ट की प्रविष्टि ससमय करेंगे। सभी सेक्टर पदाधिकारी अपने क्षेत्र अंतर्गत भ्रमणशील रहकर मतदान दल के मतदान केंद्र पर पहुंचने से लेकर बाजार समिति तकिया में पहुंचने तक पर्यवेक्षण करेंगे। अमिट स्याही को नियमानुसार लगाएंगे। एवं स्याही लगाने के बाद कुछ देर तक सूखने देंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदान दल के भोजन आदि हेतु रसोइया की प्रतिनियुक्ति की गई है। पर्दानशीं महिलाओं की पहचान हेतु वॉलंटियर की प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि किसी मतदाता अथवा पदाधिकारी को मतदान केंद्र पर मोबाइल फोन रखने या ले जाने की अनुमति नहीं है मोबाइल फोन रखने हेतु वॉलंटियर की प्रतिनियुक्ति की गई है। पीठासीन पदाधिकारी द्वारा प्रपत्र 17सी की प्रति तैयार कर सभी उपलब्ध सभी मतदान अभिकर्ता को उपलब्ध कराया जाना है एवं उसकी पावती भी रखा जाना है। इस अवसर पर निर्वाचन प्रेक्षक ने भी उपस्थित मतदान दलों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी मतदान कार्य को लोकतंत्र के इस महापर्व का दायित्व समझकर पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ पूरा करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी ने सभी मतदाताओं से शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की है।

दूसरे चरण का मतदान आज, गांव से शहर तक बूथ केन्द्रों पर प्रशासन ने बुना सुरक्षा जाल

- **बूथों केन्द्रों पर शरारती तत्वों को दबोचने के लिए पुलिस की विशेष टीम तैयार**

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान को लेकर काराकाट व दिनारा विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को प्रशासनिक हलचल चरम पर रही । दिनारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नटवार बाजार समिति डिस्पैच सेंटर से सभी मतदानकर्मी और सुरक्षाकर्मी ईवीएम मशीनों,वीवीपैट एवं अन्य आवश्यक सामग्री के साथ अपने- अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए । रवाना होने से पूर्व अधिकारियों ने तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित किया कि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रह जाए । इस

मौके पर बिक्रमगंज एसडीएम सह काराकाट विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि काराकाट विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर निष्पक्ष,शांतिपूर्ण और भयमुक्त मतदान के लिए प्रशासन पूरी तरह से तैयार है । सभी सेक्टर पदाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि वे सतत निगरानी रखें । इस क्षेत्र में कुल 40 सेक्टर पदाधिकारी, 03 एफएसटी टीम(फ्लाइंग स्क्वाड टीम) और 03 एसएसटी टीम (स्टेटिक सर्विलांस टीम) की प्रतिनियुक्ति की गई है । सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी असामाजिक तत्व पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है । वहीं बिक्रमगंज एलआरडीसी सह दिनारा विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि दिनारा विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों की प्रतिनियुक्ति पूरी कर ली गई है । मतदान के दिन किसी भी अप्रिय घटना की संभावना न रहे,इसके लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है । कुल 38 सेक्टर पदाधिकारी,03 एफएसटी और 03 एसएसटी टीमों को मैदान में उतारा गया है । हमारा लक्ष्य 100 प्रतिशत शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना है । डिस्पैच सेंटर पर दिनभर गहमागहमी बनी रही । वाहनों की लंबी कतारें और सुरक्षाकर्मियों की सजगता प्रशासन की तैयारी का सबूत दे रही थी । मतदानकर्मी पूर्ण उत्साह के साथ रवाना हुए,वहीं अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मतदान केंद्र पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दूसरी तरफ गांव से लेकर शहर तक सुरक्षा का कड़ा पहरा,प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद होगी। काराकाट और दिनारा दोनों ही विधानसभा क्षेत्रों में अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां फ्लैग मार्च कर रही हैं ।निर्वाचन विभाग की टीम लगातार नियंत्रण कक्ष से स्थिति पर नजर रखे हुए है

कैपिटल एक्सप्रेस का ठिकाना बदला, मगर यात्रियों को फिर भी हो रही परेशानी

एजेंसी/आरा

रेलवे द्वारा कैपिटल एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 13245/46 एवं 13247/48) का विस्तार राजेंद्र नगर टर्मिनल से आगे आरा जंक्शन तक कर दिया गया है। बावजूद इसके, ट्रेन के कोच बोर्ड पर अब भी पुराने गंतव्य स्टेशन राजेंद्र नगर का नाम प्रदर्शित हो रहा है। इससे यात्रियों, विशेषकर सामान्य कोच में यात्रा करने वालों में भारी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। यात्रियों का कहना है कि बोर्ड पर पुराने नाम के कारण कई बार लोग गलत ट्रेन में चढ़ जाते हैं और प्लेटफॉर्म पर अफरातफरी मच जाती है, जबकि रेलवे ने समय सारिणी में आरा को शामिल कर लिया है, लेकिन कोच बोर्ड और

एलईडी डिस्प्ले अपडेट नहीं किए गए हैं रेलवे सूत्रों के अनुसार, तकनीकी कारणों और नए बोर्ड की आपूर्ति में विलंब के चलते अपडेट का कार्य जारी है। यात्रियों ने मांग की है कि शीघ्र ही कोच बोर्ड, स्टेशन एनाउंसमेंट और वेबसाइट पर आरा जंक्शन का नाम प्रदर्शित किया जाए, ताकि भ्रम की स्थिति समाप्त हो और यात्रा सुचारू रहे।

एक नजर

मिल्क वैन और स्कार्पियो में हुई आमने सामने टक्कर, बाल बाल बचे चालक

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज - आरा पथ पर सोमवार की सुबह दस बजे थाना क्षेत्र के मोहनी गांव के पास मिल्क वैन और स्कार्पियो में आमने सामने टक्कर हो गई। जिसमें दोनों वाहनों को क्षति पहुंचा है, लेकिन दोनों वाहनों के चालक बाल बाल बच गए। दोनों चालकों को मामूली चोट आई है। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार टक्कर इतना जबरदस्त था कि चालकों की जान जा सकती थी। बताया जाता है कि तेज रफ्तार से आ रही मिल्क वैन असंतुलित हो गई और सामने से आ रही स्कार्पियो में टक्कर मार कर पेड़ से टक्करा गई। यदि वह पेड़ से नहीं टक्कराती तो पलट सकती थी और चालक की स्थिति गंभीर हो सकती थी। पेड़ के कारण चालक बाल बाल बच गया। मामूली चोट आई है। स्कार्पियो के चालक को भी मामूली चोट आई है। स्थानीय लोगों के सहयोग से मोहनी में हीं दोनों का इलाज कराय गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार से पूछे जाने पर बताते है कि उन्हें ऐसी किसी तरह की घटना की कोई सूचना नहीं है।

भोजपुर में कामाख्या एक्सप्रेस से गिरकर अररिया के यात्री की मौत, परिजनों में मची चीख-पुकार

आरा। दानापुरझपीडीडीयू रेलखंड पर बिहिया स्टेशन के पूरब साइड सोमवार की सुबह कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर अररिया निवासी एक युवक की मौत हो गई। बाद में शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान अररिया जिले के सिकटी थाना क्षेत्र के औलाबाड़ी गांव वार्ड संख्या 13 निवासी मुतिबर रहमान के 18 वर्षीय पुत्र मतिरुल हक के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित एक प्राइवेट कंपनी में कार्य करता था। घटना के समय मृतक अपने दोस्त मोहम्मद मुशर्रफ के साथ लखनऊ से कटिहार जा रहा था। दोनों कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन में अलग-अलग बोगियों में सफर कर रहे थे। बताया जाता है कि जैसे ही ट्रेन बिहिया स्टेशन के पास पहुंची, मतिरुल हक असंतुलित होकर नीचे गिर पड़ा, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही स्वजन आरा पहुंचे। रेल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया। इसे लेकर आरा रेल थाना में यूडी केस दर्ज किया गया है। मृत किशोर चार भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। मां रबीना खातून और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वोटिंग के बाद काम पर लौटने की अफरातफरी, प्लेटफार्म में गुजर रही यात्रियों की रात

आरा। रात के साढ़े नौ बज रहे हैं। धरहरा से मनोज तिवारी पुणे जाने वाली ट्रेन पकड़ने प्लेटफार्म नंबर दो पर परिवार के साथ मिले। ट्रेन रात 12 बजे आएगी, लेकिन रात में आटो मिलने में परेशानी के कारण पहले ही स्टेशन पहुंच गए, यहां चुनाव और पर्व के बाद काम पर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ बहुत ज्यादा। कहने लगे, ठंड बढ़ने लगी और मच्छर तबाह कर रहे हैं, रेलवे ने अस्थायी टेंट भी नहीं यहां लगाया है, जहां यात्री विश्राम कर सकें। रात 9:30 बजे से लेकर 12 बजे तक स्टेशन पर अफरातफरी का माहौल बना रहा। मुंबई, दिल्ली, सूरत, अहमदाबाद, बेंगलुरु और हैदराबाद जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में यात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही थी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की समाप्ति के बाद प्रवासी मजदूर बड़ी संख्या में अपने कार्यस्थलों की ओर लौट रहे हैं।यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे ने हरियाणा, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा सहित कई राज्यों के आरपीएफ जवानों को एक माह के लिए बिहार में तैनात किया है। इन जवानों को रात के समय गश्त और प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। रात के समय सबसे बड़ी समस्या प्लेटफॉर्म नंबर दो और तीन पर वेटिंग हाल के अभाव में देखने को मिली। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग यात्री ठंड और मच्छरों के बीच खुले प्लेटफॉर्म पर बैठकर ट्रेनों का इंतजार करते रहे। कई यात्रियों ने अखबार व चिमकी बिछाकर फर्श पर रात बिताई। महिला यात्री रंजना देवी ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर रोशनी भी अपर्याप्त थी, जिससे महिलाओं को असुरक्षित महसूस हुआ। आरा जंक्शन से गुजरने वाली कई लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव केवल दो मिनट का है। इतनी भीड़ में इस कम समय में यात्रियों का चढ़ना और उतरना लगभग असंभव हो गया। कई यात्रियों की तो ट्रेन भी छूट जाती है।

तेज रफ्तार बाइक ने अधेड़ को मारी ठोकर, मौत

आरा। बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोपती मेला मोड़ के समीप सोमवार की देर शाम तेज रफ्तार बाइक ने अधेड़ को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में उनकी मौत हो गयी. इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया. घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा. जानकारी के अनुसार मृतक सहार थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी स्व.सिंहासन सिंह के 49 वर्षीय पुत्र हृदयानंद सिंह है, जो एक किसान थे. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोमवार की देर शाम वह मोपती मेला मोड़ के समीप ऑटो से उतरकर सड़क पार कर रहे थे. उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गये. परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए पीरो पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया गया. बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर थे. उनके परिवार में पत्नी आशा देवी व तीन पुत्र संतोष, मंतोष, कारण एवं एक पुत्री दुर्गावती देवी है. घटना मृतका के घर मे कोहराम मच गया है. उसकी पत्नी दुर्गावती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है.

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्त हुआ परिवहन विभाग, तीन चालान बकाया रखने पर रद्द होगा वाहन रजिस्ट्रेशन

एजेंसी/पटना

बिहार में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और यातायात नियमों की अनदेखी को देखते हुए परिवहन विभाग ने अब कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि अब ट्रैफिक नियमों को हल्के में लेने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चाहे बात स्टंटबाजी की हो, मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने की, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के वाहन चलाने की – अब किसी को बख्शा नहीं जाएगा। विभागीय निर्देशों के अनुसार, जो चालक बार-बार नियमों की अनदेखी करते हैं, उनका नाम सबसे पहले ब्लैकलिस्ट में डाला जाएगा। इसके बाद भी यदि उनके चालान बकाया रहते हैं और वे भुगतान नहीं करते, तो विभाग सीधे वाहन का रजिस्ट्रेशन रद्द कर देगा। परिवहन विभाग ने अब अपने सिस्टम को और आधुनिक बनाया है। सभी वाहनों को डिजिटल रिकॉर्ड ट्रैकिंग सिस्टम (DRTS) से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि यदि किसी वाहन पर चालान कटे और उसका भुगतान समय पर न किया जाए, तो सिस्टम अपने आप उस वाहन के रजिस्ट्रेशन को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दे। यह व्यवस्था पूरी तरह से स्वचालित होगी, ताकि मानवीय हस्तक्षेप न रहे और नियमों का पालन सख्ती से हो सके। एडीटीओ (सहायक जिला परिवहन पदाधिकारी) अर्चना कुमारी ने बताया कि लंबे समय से चालकों को समझाने, चालान काटने और जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद भी कई वाहन चालक नियमों को गंभीरता से नहीं लेते। कुछ युवक स्टंटबाजी करते हैं, तो कुछ वाहन में अनधिकृत परिवर्तन कराते हैं। ऐसे चालकों के खिलाफ अब विभाग ने कठोर कदम उठाने की योजना बनाई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, नियम तोड़ने वालों में ज्यादातर युवा वर्ग के चालक हैं। इनमें कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां नाबालिग वाहन चला रहे हैं या बिना ड्राइविंग लाइसेंस के सड़क पर उतर रहे हैं। इसके अलावा, मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ी चलाना, ओवर स्पीडिंग करना, ट्रिपल लोडिंग और नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करना जैसी गलतियां आम होती जा रही हैं। अर्चना कुमारी ने बताया कि कई बार अभियान चलाकर भी जब सुधार नहीं हुआ, तो अब विभाग को सख्ती दिखानी पड़ रही है। अब बार-बार चेतावनी देने या चालान काटने का दौर खत्म हो गया है। जो चालक नियमों की अवहेलना करेंगे, उनके खिलाफ सीधी कार्रवाई होगी। ब्लैकलिस्टिंग और रजिस्ट्रेशन रद्द करने के बाद यदि ऐसे वाहन सड़क पर चलते पाए गए, तो यह कानूनी अपराध माना जाएगा,ह्व उन्होंने कहा।

लोग जंगलराज के रूप में अमावस्या की रात देख चुके, अब रोशनी दिखाई दे रही : सम्राट चौधरी

एजेंसी/पटना

बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा के नेता सम्राट चौधरी ने दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के लोग जंगलराज के रूप में अमावस्या की रात देख चुके हैं, अब पूर्णिमा की रोशनी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में बिहार विकास के पथ पर चल रहा है।'राजद कंफ्यूज भी दिखती है और डिफ्यूज भी है' उन्होंने मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि राजद कंफ्यूज भी दिखती है और डिफ्यूज भी है। तेजस्वी यादव को राजद का दूसरा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि वे जनवरी से घोषणा पत्र जारी कर रहे हैं। कई बार वे घोषणा पत्र जारी किए। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि लालू यादव का परिवार लूटने, अराजकता, भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता है। ये लोग चुनाव हारने के डर से चुनाव आयोग और प्रधानमंत्री पर आरोप लगा रहे हैं।उन्होंने कहा कि इस चुनाव में राजद कहीं लड़ाई में नहीं दिखता है। महागठबंधन के लोग कंफ्यूज हैं। राहुल गांधी तो अभी से ही वोट चोरी का नारा देने लगे हैं। विकास के मुद्दे को लेकर उन्होंने कहा कि 2005 से 2020 तक सड़कों को देखा जाए तो जिस बिहार में आठ हजार किलोमीटर सड़क नहीं थी, वहां करीब 1.50 लाख किलोमीटर सड़क बनी है. उन्होंने बिजली, पेयजल, मेडिकल कॉलेज को लेकर कहा कि यह विकास दिखता है। उन्होंने कहा कि आज बिहार के 38 जिलों में मेडिकल कॉलेज खुलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। गंगा में तब चार पुल थे, आज आठ बन चुके और आठ निर्माणाधीन हैं। उन्होंने अनाज के उत्पादन में वृद्धि को लेकर भी आंकड़ों के जरिए बताया। यह बदला हुआ बिहार है, अब कोई कंफ्यूज है तो उसे कुछ नहीं किया जा सकता है। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जनता ने भी तय कर लिया है कि इनसे कुछ नहीं हो सकता। ये लोग जनता की भलाई के लिए कुछ नहीं कर सकते, ये सिर्फ अपने लिए कर सकते हैं.उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल पर लगाए गए आरोपों को लेकर कहा कि वे कभी भी मेडिकल कॉलेज के मालिक नहीं हो सकते, कोई ट्रस्टी हो सकता है, मालिक नहीं हो सकते। खुद पर लगे आरोपों को लेकर भी उन्होंने कहा कि इस पर न्यायालय अपना काम कर रही है। 30 साल से ये आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं लालू यादव के अत्याचार से राजनीति में आया। अगर वे जेल नहीं भेजा होता तो मैं राजनीति में भी नहीं आता." उन्होंने साफ कहा कि राहुल गांधी या लालू यादव का परिवार हो, ये लोकतंत्र को मजाक बनाना चाहते हैं। जनता जानती है कि ये भ्रष्टाचारी हैं और भ्रष्टाचार के प्रतीक भी हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार बनेगी तो हम अदालत जाकर आग्रह करेंगे कि चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब, बाढ़ घोटाला, अलकतरा घोटाला में जो जमीन जब्त किया गया है, उस पर स्कूल और कॉलेज खोले जाएं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, अराजकता, रूल ऑफ लॉ से कभी समझौता नहीं हो सकता है। बिहार के आम लोगों के लिए एनडीए काम करती रहेगी। उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी वे बढ़ चढ़कर मतदान करें और एनडीए सरकार बनाकर बिहार में कानून का राज, विकास को देखते हुए बिहार आगे बढ़ाएं। बिहार और विकसित होगा, बिहार और आगे बढ़ेगा। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि पहले लालू यादव पंजीकृत अपराधी हैं। पहले उन्हें जेल में डालें। उन्होंने तेजस्वी यादव के बिना नाम लिए कहा कि उन्हें जिस चीज का हिसाब लेना है, कल 11 बजे इसी हॉल में आ जाएं, जिस भी मुद्दे पर जवाब लेना है, जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और आगे रहेंगे। इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। इस प्रेस वार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी एवं विधान पार्षद डॉ. संजय मयूख और प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल उपस्थित रहे।

एक नजर

दिल्ली धमाके के बाद बिहार में हाई अलर्ट संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश

पटना । दिल्ली में धमाके के बाद बिहार में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए बिहार पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। भीड़-भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया है। `बता दें कि बिहार में दूसरे चरण का मतदान मंगलवार 11 नवंबर को है, इधर चुनाव से पहले देश की राजधानी दिल्ली में धमाका हो गया। गाड़ी में ब्लास्ट होने से कई गाड़ियां जलकर खाक हो गयी। कई गाड़ियों के परखच्चे उड़ गये। इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गयी जबकि दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गये हैं। घायलों को आनन-फानन में अस्पाल में भर्ती कराया गया है। जहां सभी का इलाज चल रहा है। घटना के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आईबी के चीफ से बात की और पूरी घटना की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आवश्यक कदम उठाने को कहा। इस धमाके के बाद मुंबई और यूपी में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग तेज कर दी गयी है।

अब सीवान में वीवीपैट की पर्ची मिलने पर हंगामा

सीवान। सीवान शहर के मौली मोहल्ले में रविवार को नाले के पास बड़ी संख्या में वोट की पर्चियां फेंकी हुई मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि इन पर्चियों पर महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के नाम लिखे हुए थे। जैसे ही लोगों की नजर इन पर्चियों पर पड़ी, कुछ ही देर में सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। स्थिति को देखकर स्थानीय प्रशासन में भी हड़कंप मच गया ।त्यक्षदर्शियों के अनुसार, पर्चियां मिलने के बाद भीड़ ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और जिला पदाधिकारी से तत्काल जवाब की मांग की। लोगों का आरोप है कि इस तरह की घटनाएं वोट चोरी की ओर इशारा करती हैं।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। फिलहाल पर्चियों को जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है। मौके पर पहुंचे एसडीएम सीवान ने वीवीपैट पर्चियों को एकत्र कर अपने कब्जे में ले लिया। उसके कुछ ही समय बाद सीवान निर्वाचन पदाधिकारी व जिलाधिकारी के साथ एसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का मुआइना किया। लोगों से संवाद के बाद अधिकारी वापस लौट गए।'पूरे मामले की गहन जांच की जा रही'जिलाधकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य कुमार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्हें वीवीपैट पर्चियां फेंके जाने की सूचना मिली थी, इसलिए टीम घटनास्थल पर पहुंची। प्रारम्भिक तौर पर यह पर्चियां मॉक ड्रिल (प्रशिक्षण/अनुकरण) की लगती हैं, पर ऐसी पर्चियां नाले पर नहीं होनी चाहिएं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोग इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं और कुछ राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी मामले की जांच तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पर्चियां सुरक्षित कर ली गई हैं और मामले की तफ्तीश जारी है।

गाजीपुर साहित्य उत्सव में हास्य फिल्म बकलोल्स का टीजर हुआ लॉन्च, इस दिन ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज पर होगा रिलीज

एजेंसी/पटना

गाजीपुर साहित्य उत्सव 2025 इस बार खास बन गया जब क्षेत्रीय ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज ने अपनी आगामी भोजपुरी हास्य फिल्म ह्यबकलोल्सह्न का शानदार टीजर लॉन्च किया। गाजीपुर साहित्य उत्सव 2025 के मंच पर जब यह टीजर दिखाया गया तो दर्शकों की तालियों से पूरा माहौल गूंज उठा। यह फिल्म अपने देसी अंदाज, जमीनी हंसी और मानवीय भावनाओं के संगम से लोगों के दिलों में जगह बना रही है। इस दौरान फिल्म के पूरी कास्ट ड्ड लेखक सत्य व्यास, अभिनेता मनोज सिंह टाइगर, रवि शर्मा (मुन्ना), इंदर सिंह (बाबू), अशोक मांझी (जुम्मन), रिया नंदनी (बेला) और ह्यस्टेजह्न की भोजपुरी मार्केटिंग मैनेजर स्नेहा सिंह मौजूद रहीं। इस फिल्म इस दिसंबर में रिलीज होगी। मौके पर अभिनेता मनोज सिंह टाइगर, जो फिल्म में ह्यबेनीलालह्न की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपने किरदार को लेकर कहा – ह्लबेनीलाल ऐसा इंसान है जो हर गाँव में होता है – सीधा-सादा, मजाकिया, लेकिन दिल से सच्चा। यह फिल्म सिर्फ हँसाने के लिए नहीं, बल्कि अपनेपन का एहसास कराने के लिए बनी है। उनके इस बयान पर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। फिल्म के अन्य कलाकारों ने भी साझा किया कि बकलोल्स पूर्वांचल के युवाओं की जिंदगी, उनके संघर्ष, सपनों और सामाजिक ताने-बाने को सहज हास्य के माध्यम से बयाँ करती है। इस दौरान स्टेज की प्रतिनिधि स्नेहा सिंह ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति और भाषा की आवाज है। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश है कि वे कहानियाँ जो अब तक सुनी नहीं गईं, उन्हें दुनिया तक पहुँचाया जाए। बकलोल्स उसी सोच का हिस्सा है – जो हंसी के साथ समाज की गहराई को भी छूती है।ह्व वहीं, लेखक सत्य व्यास ने कहा कि यह कहानी गाँव-शहर के उस आम इंसान की है जो सपने देखता है, संघर्ष करता है और हँसते हुए जीवन को जीता है। कार्यक्रम के दौरान फिल्म का टीजर दिखाए जाने पर दर्शकों ने इसकी हास्य प्रस्तुति, संवाद और स्थानीयता की प्रामाणिकता की जमकर तारीफ की। फिल्म की टीम ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का मकसद सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि पूर्वांचल की बोली, भावनाओं और जीवनशैली को दर्शाना है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म पूर्वी भारत के युवाओं के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। स्टेजओटीटी की ओर से ये घोषणा की गयी कि बकलोल्स दिसंबर 2025 में विशेष रूप से उनके प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। यह

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्चे की मौत रोटावेटर में फंसकर हुए कई टुकड़े

एजेंसी/पटना

बिहार के सीतामढ़ी जिले से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां नगर पंचायत बेलसंड के वार्ड-7 में खेत जोतते समय ट्रैक्टर की चपेट में आने से आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक की पहचान रमना बाजार निवासी मो.तस्लीम के पौत्र रेहान के रूप में की गई है। वह ट्रैक्टर पर ही बैठा था। ड्राइवर बच्चे की लाश के टुकड़ों को खेत में दफन कर फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद ट्रैक्टर चालक छोटे उर्फ मुमताज और उसके भतीजे मो. खालिद रजा डर के मारे खेत को समतल कर वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी परिजनों को तब लगी, जब रात तक रेहान घर नहीं लौटा। अगले दिन घर के सामने स्थित खेत में बच्चे के शरीर का एक हिस्सा बरामद हुआ। इसके बाद खेत की दोबारा तलाशी ली गई, जिसमें शव के अन्य हिस्से भी मिले। परिजन तुरंत पुलिस को सूचना देने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। बच्चे की दादी मोमिना खातून ने ट्रैक्टर चालक छोटे और मो. खालिद रजा पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मो. खालिद को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि छोटे उर्फ मुमताज की तलाश जारी है। थानाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। गांव में इस हादसे से मातमी सन्नाटा छा गया है। परिजन और स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि दोषियों को जल्द न्याय दिलाया जाए। वहीं, सुरक्षा के उपायों और बच्चों की खेतों में सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता भी चर्चा का केंद्र बन गई है। इस घटना ने किसानों और ग्रामीणों में चेतावनी पैदा कर दी है कि खेती के दौरान बच्चों को भारी मशीनरी के पास न लाया जाए और सुरक्षा नियमों का पालन अवश्य किया जाए।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सुपौल की 5 सीटों पर मतदान आज, भारत-नेपाल बॉर्डर सील

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में सुपौल जिले की पाँच सीटों–सुपौल, पीपरा, त्रिवेणीगंज, निर्मली और छातापुर–पर कल मतदान होगा। प्रशासन ने सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में सुपौल जिले की पाँच विधानसभा सीटों सुपौल, पीपरा, त्रिवेणीगंज, निर्मली और छातापुर पर कल मतदान होगा। प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और जिला प्रशासन मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। बता दें कि दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव आयोग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है. मतदान से 72 घंटे पहले इंडो-नेपाल सीमा को पूर्ण रूप से सील कर दिया गया है ताकि सीमा पार से किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों,शराब या नकदी के आवागमन पर रोक लगाई जा सके। इसके साथ ही सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा एजेंसियाँ अलर्ट पर हैं। वहीं बीएसएस कॉलेज मैदान,सुपौल से जिले के सभी मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा रहा है।मतदान कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश,ईवीएम और सुरक्षा सामग्रियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। अधिकारियों की निगरानी में सभी दल शांतिपूर्वक अपने-अपने गंतव्यों के लिए रवाना हुए। जिला निवार्ची पदाधिकारी सह डीएम सावन कुमार ने बताया कि हरेक बूथ पर बेवकास्टिंग अनिवार्य किया गया है। इसके अलावे जो प्रजायडिंग ऐप के माध्यम से प्रत्येक 2 घंटे पर उनके बूथ पर कितना वोट हुआ है वह भी ऐप पर डालेंगे और शाम को पांच बजे भी डालेंगे और क्लोजप के समय भी डालेंगे ये अनिवार्य है इसके अलावे 17 सी सभी पोलिंग एजेंट को देना है।

बिहार के तापमान में गिरावट लगातार जारी, ठंड और प्रदूषण की दोहरी मार बनी चिंता का विषय

एजेंसी/पटना

बिहार में ठंड ने अब रफ्तार पकड़ ली है। पिछले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में कई डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार 5 नवंबर को पटना का न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री था, जो अब 9 नवंबर को 18.0 डिग्री पर व कई जिलों में इससे भी नीचे आ गया है। पछुआ हवाओं की तेज गति ने सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ा दी। अगले तीन-चार दिन कोहरा यूं ही बना रहेगा और ऐसे में लोगों को सावधानी बरतनी होगी। रविवार को पटना का अधिकतम तापमान 29.0 डिग्री रहा। गया में 27.5, भागलपुर 28.4 और मुजफ्फरपुर 27.8 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। राज्य के 18 जिलों में अधिकतम तापमान बढ़ा है, लेकिन न्यूनतम में भी गिरावट जारी है। पूर्णिया में दृश्यता महज एक हजार मीटर रही। सुबह की धुंध ने वाहन चालकों को परेशान किया। आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा और बारिश की कोई गुंजाइश नहीं। चिंता की बात यह है कि ठंड के साथ अब हवा भी जहरीली हो चली है। रविवार शाम चार बजे समनपुरा क्षेत्र का वायु गुणवत्ता सूचकांक 246 तक पहुंच गया। पीएम 2.5 का स्तर मानक से ज्यादा है। जबकि पटना का औसत अदक 159 रहा। तारामंडल 125, पटना सिटी 101 और दानापुर 178 पर रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार निर्माण कार्य और सड़क सफाई सही तरह से न होने से धूल उड़ रही है और प्रदूषण का कारण बन रही। मौसम केंद्र के निदेशक ने कहा है कि नवंबर से फरवरी तक प्रदूषण का असर रहेगा ही। कोहरा और शुष्क मौसम धूल के हवा में लगातार बने रहने का कारण बनेगा। नगर निगम पानी का छिड़काव करे और सफाई बढ़ाए तो शायद राहत मिल सकती है। अभी पटना का औसत अदक सामान्य श्रेणी में है, लेकिन 200 पार होते ही मामला बिगाड़ना शुरू हो जाएगा।

बर्फबारी का असर बिहार में दिखा

उत्तर भारत के पर्वतीय इलाकों में हुई हालिया बर्फबारी का सीधा असर गंगा के मैदानी हिस्सों पर पड़ रहा है। उत्तर-पश्चिम दिशा से 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही बफीर्ली हवाओं ने सुबह और रात में सिहरन बढ़ा दी है। दिन में धूप तो निकल रही है, लेकिन धुंध की परत के कारण गर्माहट का असर कम है।

कोहरे की दिक्कत बढ़ी

सुबह-सुबह पटना, बक्सर, डेहरी और शेखपुरा समेत कई इलाकों में मध्यम स्तर का कुहासा छाया रह रहा है। इससे विजिबिलिटी प्रभावित हो रही है और सड़क पर वाहन चलाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में सुबह और शाम को कोहरा बढ़ने की चेतावनी दी है। नवंबर के अंत तक पारा 10 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुंच सकता है।

बिहार राज्य महिला आयोग करेगा गर्ल्स हॉस्टलों का औचक निरीक्षण

एजेंसी/पटना

बिहार राज्य महिला आयोग अब प्रदेश के सरकारी और गैर-सरकारी महिला हॉस्टलों में औचक निरीक्षण करने की तैयारी में है। आयोग का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, उनकी मूलभूत सुविधाओं और पोषण व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन करना है। इस दौरान आयोग के सदस्य और अध्यक्ष स्वयं हॉस्टलों में जाकर छात्राओं से बातचीत करेंगे, उनकी समस्याएं जानेंगे और समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा ने बताया कि महिला आयोग अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। उन्होंने कहा कि पटना सहित राज्य के कई जिलों से महिलाएं अपने सपनों को पूरा करने के लिए राजधानी में पढ़ने आती हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सेहत सुनिश्चित करना आयोग की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान यह भी देखा जाएगा कि हॉस्टलों में रहने वाली लड़कियों को पर्याप्त पौष्टिक भोजन, साफ-सफाई और उचित वातावरण मिल रहा है या नहीं। चुनाव परिणाम आने के बाद आयोग एक विस्तृत निरीक्षण शेड्यूल तैयार करेगा, जिसमें यह तय किया जाएगा कि किस दिन किन हॉस्टलों का दौरा किया जाएगा। शुरूआत पटना यूनिवर्सिटी के विभिन्न कॉलेजों के महिला हॉस्टलों से होगी और धीरे-धीरे राज्य के अन्य जिलों तक यह अभियान विस्तारित किया जाएगा।

सुभाषितम्

नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति देने वाली शिक्षा की जरूरत

- ललित गर्ग

हर वर्ष 11 नवंबर को हम राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाते हैं। यह दिन केवल औपचारिक उत्सव का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र के चरित्र, संस्कृति और सृजनशीलता का आधार है। यह दिवस स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता का सबसे सशक्त माध्यम माना। वे न केवल एक प्रखर राष्ट्रनायक थे बल्कि एक दूरदर्शी विचारक भी थे जिन्होंने कहा था कि ह्लशिक्षा वह शेरनी है, जिसके दूध को पीने के लिए साहस चाहिए।ह्व मौलाना आजाद का मानना था कि भारत की शिक्षा पद्धति ऐसी हो जो हर वर्ग, हर समुदाय, हर व्यक्ति को अवसर दे। उन्होंने प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक सबके लिए समान अवसर की बात कही। उनका सपना था कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम न रहकर जीवन को दिशा देने वाली प्रक्रिया बने। आज जब हम उनके विचारों की ओर देखते हैं तो यह महसूस होता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली ने तकनीकी रूप से प्रगति की है, लेकिन मानवीय दृष्टि और मूल्य शिक्षा में कमी आई है। हमारी शिक्षा शांतिप्रिय, अहिंसक एवं सर्वांगीण विकसित बनाने की बजाय हिंसक, बीमार एवं अशांत बना रही है। आज भारत की शिक्षा व्यवस्था में अनेक विसंगतियां हैं। शिक्षा आज ज्ञान की जगह अंक और प्रमाणपत्र की होड़ बन चुकी है। विद्यार्थी रट्टा मारने की मशीन बनते जा रहे हैं, सोचने और सृजन करने की क्षमता कुंठित हो रही है। शिक्षा में नैतिकता, सह-अस्तित्व, करुणा और अहिंसा जैसे मूल्य गौण हो गए हैं। समाज में शिक्षक की प्रतिष्ठा घटती जा रही है, वे अब प्रेरणा के स्रोत की बजाय ह्यसिलेबस पूरा करनेह्व वाले कर्मचारी बनते जा रहे हैं। शहरी और ग्रामीण शिक्षा में गहरी असमानता है, शहरों में अत्याधुनिक विद्यालय हैं तो गाँवों में अब भी शिक्षा सुविधाओं का अभाव है। देश में लाखों एकल शिक्षक विद्यालय है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं पर रोजगार घट रहे हैं, शिक्षा और जीवन की आवश्यकताओं में असंतुलन बढ़ता जा रहा है। इन विसंगतियों को दूर करना ही राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की वास्तविक सार्थकता है। आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ ह्लसफलताह्व का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को ह्लप्रदर्शन की प्रतियोगिताह्व बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है। भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाते हुए किसी एक स्कूल, राज्य या केन्द्रसरकार के लिये ही नहीं, बल्कि आमजन के लिये विमर्श का विषय बनना चाहिए। भारत की शिक्षा केवल बौद्धिक नहीं बल्कि समग्र विकास का माध्यम होनी चाहिए। प्राचीन भारत की गुरुकुल परंपरा में विद्यार्थी के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास पर समान बल दिया जाता था। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्ति नहीं बल्कि आत्म-ज्ञान, आत्म-नियंत्रण और समाज सेवा की भावना जगाना होता था। आज फिर उसी संतुलित दृष्टि की आवश्यकता है। भावात्मक शिक्षा का अर्थ है संवेदनशीलता का विकास। एक विद्यार्थी जब दूसरे के दुःख को महसूस करना सीखता है तभी वह सच्चा नागरिक बनता है। मानसिक शिक्षा का अर्थ है एकाग्रता, अनुशासन और मानसिक दृढ़ता। यह वह शक्ति है जो व्यक्ति को संकटों में भी स्थिर रखती है। बौद्धिक शिक्षा तर्क, विवेक और सृजनशीलता का विकास करती है। शारीरिक शिक्षा स्वस्थ तन के बिना स्वस्थ मन संभव नहीं होने का बोध कराती है, योग, खेल और व्यायाम को शिक्षा का अभिन्न भाग बनाना चाहिए। शैक्षणिक शिक्षा में ज्ञान और व्यावसायिक दक्षता दोनों का समन्वय होना चाहिए ताकि विद्यार्थी जीवनोपयोगी कौशल प्राप्त कर सके। इन सभी पक्षों का समन्वय ही सम्पूर्ण शिक्षा पद्धति कहलाता है।

भारत की शिक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिए जो परंपरा और आधुनिकता का संगम बने। गांधीजी ने कहा था कि ह्लशिक्षा का मतलब है शरीर, मन और आत्मा का समान विकास।ह्व यही भारत की शिक्षा की आत्मा है। हमारी शिक्षा जीवन-केंद्रित हो, केवल नौकरी-केंद्रित नहीं। वह मूल्य-आधारित हो ताकि समाज में नैतिकता और मानवता बनी रहे। उसमें स्थानीय और वैश्विक दृष्टि का संगम हो ताकि विद्यार्थी अपनी जड़ों से जुड़ा रहे पर विश्व की नवीनतम तकनीक से भी परिचित हो। उसमें अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन मिले ताकि भारत ह्यज्ञान अर्थव्यवस्थाह्व का नेतृत्व कर सके। वह समानता और समावेशिता को आधार बनाए चाहे वह भाषा, लिंग या वर्ग के स्तर पर क्यों न हो। कोई भी शिक्षा प्रणाली उतनी ही सशक्त होती है जितना सशक्त उसका शिक्षक होता है। शिक्षक केवल पढ़ाने वाला नहीं बल्कि प्रेरक, निमार्ता और मार्गदर्शक होता है। आज आवश्यकता है कि शिक्षकों को उचित सम्मान, प्रशिक्षण और आत्मसंतोष मिले। मौलाना आजाद ने कहा था कि ह्लअच्छे शिक्षक ही राष्ट्र की आत्मा हैं।ह्व शिक्षक को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ भावनात्मक और नैतिक दृष्टि से भी सशक्त बनाना होगा। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा में कई सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया है। संरचना, मातृभाषा में शिक्षा, कौशल विकास और बहुविषयी अध्ययन जैसी अवधारणाएं स्वागतयोग्य हैं। लेकिन इन सुधारों का वास्तविक प्रभाव तभी पड़ेगा जब इन्हें जमीनी स्तर पर संवेदनशीलता और समर्पण से लागू किया जाए। भारत की शिक्षा का लक्ष्य केवल डिग्रियाँ बाँटना नहीं बल्कि विश्व को नैतिकता और आध्यात्मिकता की दिशा देना होना चाहिए। हमारे यहाँ शिक्षा का अर्थ रहा है- ह्लसा विद्या या विमुक्तयेह्व अर्थात जो मुक्ति दे वही सच्ची विद्या है। आज शिक्षा का अर्थ हो गया है- ह्लसा विद्या या नियुक्तयेह्व यानी जो नौकरी दे वही सच्ची शिक्षा है।

सिल्वर इकोनॉमी अर्थात बुजुर्ग बने अर्थव्यवस्था की रीढ़

भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में एक दिलचस्प बदलाव के दौर से गुजर रही है। जहां अब तक देश की आर्थिक ऊर्जा का स्रोत युवा पीढ़ी को माना जाता था, वहीं अब यह तस्वीर बदलती नजर आई है। अर्थशास्त्री इसे सिल्वर इकोनॉमी का युग बता रहे हैं, यानी बुजुर्गों पर आधारित अर्थव्यवस्था। एक ओर कर्ज. और उपभोक्तावाद में डूबे युवा हैं, तो दूसरी ओर स्थिर आय, बचत और विवेकपूर्ण खर्च के कारण बुजुर्ग वर्ग अर्थव्यवस्था की नई ताकत बनकर उभरा है। इस संबंध में बैंकिंग डेटा का उल्लेख किया जा सकता है, जिसमें यह बताया जा रहा, कि 2023 से 2025 के बीच 25 से 40 वर्ष के युवाओं का औसत कर्ज.42 प्रतिशत बढ़ा है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आसान कर्ज.की उपलब्धता और दिखावे की संस्कृति ने युवाओं की बचत खत्म कर दी है। मोबाइल, गाड़ियां, फैशन और ऑनलाइन शॉपिंग जैसी चीजों ने उनकी कमाई को ईएमआई अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। नतीजे में युवा वर्ग कर्ज के बोझ तले दबता चला जा रहा है। आज का युवा उधारी के जाल में फंसकर आर्थिक रूप से अस्थिर हो गया है। इसके उलट, बुजुर्गों ने अपने जीवनकाल में आय का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा बचत के रूप में सुरक्षित रखा। रिजर्व बैंक के अनुसार, भारत की घरेलू बचत का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा 60 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों के पास है। रिटायरमेंट फंड, पेंशन, ब्याज और संपत्ति से उन्हें स्थिर आय मिल रही है। यही वजह है कि अब बाजार की नजर इस सिल्वर क्लास पर है। हेल्थकेयर, वेलनेस, बीमा, फार्मा, एस्टेट और टूरिज्म सेक्टर इस वर्ग को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रहे हैं। लो-शुगर फूड्स, जॉइंट केयर उत्पाद, सीनियर-फ्रेंडली होम्स और तीर्थ यात्राओं जैसी सेवाएं तेजी से बढ़ी हैं। बुजुर्गों के लिए विशेष आवासीय सोसाइटियों की मांग में 28 प्रतिशत और वेलनेस टूरिज्म में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। तकनीकी रूप से पहले पिछड़े माने जाने वाले बुजुर्ग अब डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। यूपीआई पेमेंट, ऑनलाइन दवाइयों की खरीद, ई-हेल्थ कंसल्टेशन और डिजिटल निवेश में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। सिल्वर इकोनॉमी ने न सिर्फ बाजार को नया उपभोक्ता वर्ग दिया है, बल्कि डिजिटल ट्रांजैक्शन को भी बूस्ट किया है। दिलचस्प बात यह है कि जो बुजुर्ग पहले परिवारों पर आश्रित माने जाते थे, अब वही कई परिवारों की आर्थिक रीढ़ बन गए हैं। बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च और स्वास्थ्य बीमा जैसे जिम्मेदारियों का बड़ा हिस्सा आज बुजुर्गों की पेंशन या जमा पूंजी के ब्याज से पूरा हो रहा है। उनके अनुभव और वित्तीय अनुशासन ने उन्हें आधुनिक भारत की आर्थिक स्थिरता का आधार बना दिया है। भारत सरकार ने भी इस बदलाव को पहचाना है। यही वजह है कि 2024 में जारी सिल्वर इकोनॉमी पॉलिसी फ्रेमवर्क के तहत बुजुर्गों के स्वास्थ्य, रोजगार और वित्तीय सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 2030 तक भारत की सिल्वर इकोनॉमी 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान स्वास्थ्य, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं का होगा। हालांकि इस परिवर्तन की एक चिंताजनक दिशा भी है, युवा वर्ग का बढ़ता कर्ज.और घटती बचत। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भविष्य में युवा आर्थिक रूप से बुजुर्गों पर निर्भर होते चले जाएंगे। इससे न सिर्फ आर्थिक बल्कि सामाजिक संतुलन पर भी असर पड़ेगा। बहरहाल भारत की सिल्वर इकोनॉमी आर्थिक परिवर्तन की कहानी है, जो यह दशार्ती है कि अनुशासन, बचत और स्थिरता कितनी दूर तक समाज को संभाल सकती है। इस बदलाव से सबक लेते हुए युवा पीढ़ी की अब यह जिम्मेदारी हो जाती है कि वह अपनी वित्तीय आदतों में सुधार लाए, और आय-बचत के बीच संतुलन स्थापित करे। यदि ऐसा हुआ, तो भारत न केवल सिल्वर इकोनॉमी का लाभ उठाएगा, बल्कि इसे स्वर्णिम अर्थव्यवस्था में बदल देगा, जहाँ अनुभव और ऊर्जा, दोनों मिलकर विकास की नई कहानी लिखेंगे।

चिंतन-मनन

पूर्वाग्रह न पालें

पुत्र वयस्क हो चुका था। उसने एक दिन पिता से कहा, पिताजी! आज से मैं आपके साथ भोजन नहीं करूंगा। यह कथन तनाव पैदा करने वाला था। पर पिता समझदार था। उसने तत्काल कहा, बेटा! कोई बात नहीं है। इतने दिनों तक तुम मेरे साथ भोजन करते रहे तो आज से मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। कोई खास बात नहीं है। पुत्र प्रसन्न हो गया। तनाव मिट गया। आप्रोश समाप्त हो गया। कोई अन्तर नहीं आया। पुत्र के मन में अहं जाग गया कि अब मैं पिता के साथ भोजन क्यों करूं? पिता ने उसके अहं को परोक्षतः पुष्ट करते हुए कह दिया, मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। यह है समन्वय की दृष्टि। समन्वय के दृष्टिकोण ने समस्या को सुलझा दिया। आदमी में अनेक प्रकार के आग्रह होते हैं, पूर्वाग्रह होते हैं। एक बात पकड़ ली तो फिर उसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। जैसे मकोड़ा टूट जाता है, पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ता, वैसे ही आदमी टूट जाता है, पर आग्रह को नहीं छोड़ता। मकोड़ा अज्ञानी है। उसकी चेतना विकसित नहीं है। आदमी ज्ञानी है। उसकी चेतना बहुत विकसित है। वह पकड़ को, आग्रह को छोड़ भी सकता है। सामाजिक या पारिवारिक जीवन में आग्रह जितना कम होता है, उतना ही जीवन सुखद और शांत रहता है। आग्रही व्यक्ति छोटी-सी बात को इतना तान देता है कि वह बड़ी समस्या पैदा कर देती है। सारी उलझनें पूर्वाग्रह के कारण पैदा होती हैं। दोनों ओर का पूर्वाग्रह स्थिति को बिगाड़ देता है। एक व्यक्ति यदि आग्रह को छोड़ देता है, तो स्थिति सुलझ जाती है। खींचने का अर्थ ही है समस्या का उलझना। इससे तो समस्या सुलझती नहीं।

वंदे मातरम् राष्ट्रीय चेतना का गीत

-संजय गोस्वामी

भारत के राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम्ह्व की 150वीं वर्षगाँठ प्रधानमंत्री ने 7 नवंबर, 2025 को वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक वर्ष तक चलने वाले समारोहों का उद्घाटन किया। भारत का राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम्ह्व, जिसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने रचा था, ऐसा माना जाता है कि यह 7 नवंबर, 1875 को अक्षय नवमी के दिन लिखा गया था। बंकिम चंद्र चटर्जी (1838-94) 19वीं सदी के एक अग्रणी बंगाली लेखक थे जिनके उपन्यासों, कविताओं और निबंधों ने आधुनिक बंगाली गद्य और प्रारंभिक भारतीय राष्ट्रवाद को आकार दिया।उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं आनंदमठ, दुर्गेशनंदिनी, कपालकुंडला और देवी चौधुरानी, जिनमें उपनिवेशित समाज के सामाजिक और सांस्कृतिक संघर्षों को दशार्या गया है।वंदे मातरम्ः इसे ह्यबंदे मातरम्ह्व भी उच्चारित किया जाता है। इसकी रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। वंदे मातरम् पहली बार 7 नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित हुआ था और बाद में उनकी अमर कृति आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया।रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसे संगीतबद्ध किया गया, जिसके बाद यह भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान का एक शक्तिशाली प्रतीक बन गया, जो एकता, त्याग एवं भक्ति की भावना को अभिव्यक्त करता है।राष्ट्रीय गीत का दर्जाः वंदे मातरम् के पहले दो पदों को वर्ष 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया।24 जनवरी, 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की कि जबकि जन गण मन को राष्ट्रीय गान के रूप में स्वीकार किया जाएगा, स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका के कारण वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रूप में समान सम्मान दिया जाएगा।हालाँकि, अनुच्छेद 51अ(ं) के तहत नागरिकों से संविधान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान का सम्मान करने का कर्त्तव्य अपेक्षित है। वंदे मातरम् पुनर्जाग्रत राष्ट्रवाद का प्रबल उद्घोष बनकर उभरा, जो मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा और औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक बन गया।अंग्रेजों ने लोगों को एकजुट करने की इसकी क्षमता को पहचाना और कई स्थानों पर इसके सार्वजनिक गायन या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया।कांग्रेस द्वारा स्वीकृतिः वर्ष 1896 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम् गाया। जल्द ही, इसके पहले दो पद कांग्रेस की सभाओं का एक नियमित हिस्सा बन गए।यह आजाद हिंद की अंतरिम सरकार की उद्घोषणा के समय भी गाया गया था।वर्ष 1905 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वाराणसी अधिवेशन में ह्यवंदे मातरम्ह्व को सर्व-भारतीय आयोजनों के लिये अपनाया गया।बंदे मातरम् संप्रदायः मातृभूमि के प्रति समर्पण को बढ़ावा देने के लिये अक्तूबर, 1905 में उत्तरी कलकत्ता में स्थापित।सदस्य हर रविवार को प्रभात फेरी लगाते थे, वंदे मातरम् गाते थे और स्वैच्छिक दान एकत्र करते थे।बंदे मातरम्–अ इंग्लिश डेलीः अगस्त 1906 में बिपिन चंद्र पाल के नेतृत्व में इंग्लिश डेली बंदे मातरम् की शुरूआत हुई, जिसमें बाद में श्री अरविंद संयुक्त संपादक के रूप में शामिल हुए। यह एक प्रमुख राष्ट्रवादी आवाज बन गया, जिसने आत्मनिर्भरता, एकता और औपनिवेशिक शासन के प्रतिरोध के विचारों का प्रसार किया।श्री अरबिंदो जैसे विचारकों का मानना था कि वंदे मातरम् में आध्यात्मिक शक्ति होती है और यह सामूहिक चेतना को जाग्रत करता है, जिससे इसका पाठ एक राजनीतिक और आध्यात्मिक दोनों कार्य बन गया।बंगाल विभाजन के दौरान वंदे मातरम्ः 7 अगस्त, 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में विद्यार्थियों के जुलूसों के दौरान पहली बार वंदे मातरम् का प्रयोग राजनीतिक नारे के रूप में किया गया। यही घटना बंगाल में स्वदेशी आंदोलन और विभाजन-विरोधी आंदोलन की प्रेरणा बनी।वर्ष 1905 में बंगाल के विभाजन-विरोधी आंदोलनों के दौरान लगभग 40,000 लोग कोलकाता टाउन हॉल में एकत्र हुए और विरोधस्वरूप वंदे मातरम् गाया।इसके प्रभाव की तीव्रता इतनी अधिक थी कि लॉर्ड कर्जन ने इसे गाने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का आदेश दे दिया, जो इसके राजनीतिक प्रभाव को दशार्ता है।गुलबर्गा का वंदे मातरम् आंदोलनः यह हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में विद्यार्थियों के नेतृत्व में चलाया गया एक प्रमुख विरोध आंदोलन था। नवंबर 1938 में ब्रिटिश सरकार द्वारा वंदे मातरम् पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उस्मानिया विश्वविद्यालय और गुलबर्गा विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के छात्रों ने इसे खुलकर गाकर विरोध दर्ज कराया। परिणामस्वरूप, कई छात्रों को गृह नजरबंदी और निष्कासन का सामना करना पड़ा। आंदोलन को रोकने के लिये अंग्रेजों ने परिसरों में पुलिस तैनात कर दी। विदेशों में भारतीय क्रांतिकारियों पर प्रभावः वर्ष 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने बर्लिन के स्टटगार्ट में भारत के बाहर पहली बार तिरंगा झंडा फहराया। इस झंडे पर वंदे मातरम् लिखा था। अगस्त 1909 में जब मदन लाल ढींगरा को इंग्लैंड में फाँसी दी गई, तो फाँसी पर चढ़ने से पहले उनके आखिरी शब्द थे बंदे मातरम्। वर्ष 1909 में पेरिस में रहने वाले भारतीय देशभक्तों ने जिनेवा से बंदे मातरम् नामक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया। अक्तूबर 1912 में गोपाल कृष्ण गोखले का केप टाउन में ह्लवंदे मातरम्ह्व के नारे के साथ एक भव्य जुलूस के साथ स्वागत किया गया। वंदे मातरम की रचना ने उस समय एक सांस्कृतिक जागृति को चिह्नित किया जब ब्रिटिश शासन भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को दबाने का प्रयास कर रहा था।

बिहार चुनाव में उतर मध्य-पश्चिम की दहलीज पर सियासी रथ

- कांतिलाल मांडोत

11 नवम्बर को 122 सीटो पर मतदान होगा।गया,मधुबनी की दस दस सीटे और 12 सीटे ईस्ट चंपारण आदि की सीटें का समावेश है। सीमांचल में 4 जिले आते है।कटियार, अररिया, पूर्णिया और किशनगंज इन चार जिलों में 24 विधानसभा सीटे है।बिहार में इस चुनाव के बाद 14 नवम्बर को परिणाम घोषित होगा। पूर्णिया, धमदाहा, बनमनखी, रुपौली, बैसी, अमौर पूर्णिया जिले में आती है।यह सीमांचल का हिस्सा है।सीमांचल की लगभग 45% से 50% आबादी मुस्लिम है, जो बिहार के अन्य हिस्सों से काफी अधिक है।किशनगंज जिला तो लगभग 70% मुस्लिम बहुल है। अररिया, कटिहार और पूर्णिया में भी मुस्लिम आबादी 40झ45% तक है।यही कारण है कि यहां एआईयूडीएफ,एआईएमआईएमऔर जेडीयू और कभी-कभी कांग्रेस को मुस्लिम वोटरों का अच्छा समर्थन मिलता है।यादव जाति मुख्यतः आरजेडी का पारंपरिक वोट बैंक भी सीमांचल में प्रभावशाली है, विशेषकर पूर्णिया व अररिया जिलों में।इसके अलावा कुर्मी, कोयरी, निषाद, मल्लाह, बनिया, कुशवाहा जैसी जातियाँ भी अच्छी संख्या में हैं।पासी, मुसहर, चमार समुदाय भी सीमांचल के ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। इनका वोट आमतौर पर आरजेडी कॉग्रेस या जेडीयू में बँटता है।ब्राह्मण, भूमिहार, राजपूत और कायस्थ जातियाँ भी शहरी केंद्रों जैसे कटिहार और पूर्णिया में हैं, परंतु इनकी संख्या अपेक्षाकृत कम है।यह वर्ग प्रायः बीजेपी या जेडीयूको समर्थन देता है।सीमांचल की 24 सीटें राज्य की सत्ता निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यहाँ के वोट बैंक धार्मिक एकता और स्थानीय मुद्दों पर आधारित होते हैं, न कि केवल जातीय समीकरणों पर। पिछले चुनावों मेआरजेडी और कांग्रेस गठबंधन को मुस्लिमझयादव समीकरण से लाभ एआईएमआईएम ने कुछ सीटों पर मुस्लिम वोटों में सेंध लगाई जैसे–किशनगंज, अमौर, जोकीहाट भाजपा को सवर्ण और गैर-मुस्लिम पिछड़ी जातियों का समर्थन मिला। लेकिन जहां पर लालू और कांग्रेस का गठबंधन था,वहा पर आज भी लोग आस लगाए हुए है।इनको वोट चाहिए।विकास के नाम पर गुमराह किया जाता है।इस बार लालू और कांग्रेस को फायदा होने वाला नही है।अब इस बार एनडीए की तरफ ज्यादा झुके हुए है। सीमांचल के ज़िले कटिहार, पूर्णिया, अररिया, किशनगंजकुल सीटें24मुख्य प्रभावशाली समुदाय मुस्लिम, यादव, कुर्मी, कोयरी, पासी, ब्राह्मण, भूमिहारराजनीतिक रूप से सक्रिय दल आरजेडी, कांग्रेस,जेडीयू एआईएमआईएम और भाजपा है। मुख्य मुद्दे बेरोजगारी, बाढ़, विकास, शिक्षा, अल्पसंख्यक सुरसीमांचल के बाद बिहार का वह क्षेत्र जहाँ भाजपा मजबूत है। सीमांचल कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया, अररिया के बाद भाजपा का सबसे मजबूत क्षेत्र मिथिलांचल और मगध क्षेत्र माना जाता है।मिथिलांचल क्षेत्र में मुख्य जिले है।दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, शिवहर जिसमे भाजपा का गढ़ माना गया है।

यहाँ उच्च जाति ब्राह्मण, राजपूत, बनिया और मध्यम वर्गीय मतदाता भाजपा के कोर वोटर हैं।दरभंगा और मधुबनी भाजपा के किला क्षेत्र माने जाते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस क्षेत्र की अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की थी।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए परोपकारी कार्यों में बीतने वाला है।	**तुला** आज आज शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धि मिल सकती है। आय के नए स्रोत खुलेंगे।
वृषभ भाग्य का साथ मिलेगा। दिन परिवार के लोगों के साथ बीतेगा। दोपहर शुभ समाचार मिल सकता है।	**वृश्चिक** आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होगी और मान सम्मान बढ़ेगा।
मिथुन आज का दिन उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा।	**धनु** खर्चों पर कंट्रोल रखना होगा। घरेलू जरूरतों पर अधिक खर्च होने की संभावना दिख रही है।
कर्क आज अचानक धन लाभ होने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती दिख रही है।	**मकर** आज व्यापार में लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
सिंह आज दिन सफलता से भरा रहने वाला है। आपको राजनीतिक क्षेत्र में सफलता के योग हैं।	**कुंभ** आज दिन भागदौड़ भरा हो सकता है। जीवनसाथी को अचानक स्वास्थ्य समस्या से जूझना पड़ सकता है।
कन्या दिन सफलता लेकर आएगा। व्यावसायिक और नौकरी से संबंधित कार्यों में लाभ मिलेगा।	**मीन** आज वैवाहिक जीवन आनंदमय दिख रहा है। छोटी या लंबी दूरी की यात्रा का योग बन रहे हैं।

विशेष

राजनाथ की नसीहत पर भड़का बांग्लादेश

भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। दरअसल, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया बयान पर बांग्लादेश ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ढाका स्थित विदेश मंत्रालय ने राजनाथ सिंह की टिप्पणी को गलत और शिष्टाचार के विपरीत बताते हुए कहा कि इस तरह के बयान आपसी संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस.एम. महबूबुल आलम ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते पारस्परिक हितों और सम्मान पर आधारित हैं, इसलिए ऐसे वक्तव्यों से बचना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतरिम सरकार प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर जानकार तो यही कह रहे हैं कि यदि बांग्लादेश भारत से बेहतर संबंध रखना ही चाहता है तो फिर एक मित्र की नसीहत पर इतना भड़क क्यों रहा है, जरुर दाल में कुछ काला है।

पप्पू यादव बोले अहंकार की भाषा

कांग्रेस नेता और पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर विवादित बयान देकर सभी का ध्यान खींच लिया है। दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, निर्दलीय सांसद बनना भगवान के बाप की भी औकात नहीं। उनके इस बयान से सियासी हलकों में हलचल मचना स्वभाविक बात है। जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बयान लोकतांत्रिक मयार्दा के खिलाफ है और एक जनप्रतिनिधि के अहंकार को दशार्ता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1542: अंग्रेजों ने सोल्वेमास की लड़ाई में स्काट्स नरेश जेम्स पांचवें की फौजों को शिकस्त दी। 1758: ब्रिटिश फौजों ने सेनेगल पर कब्जा किया। 1866: इलाहाबाद उच्च न्यायालय का उद्घाटन हुआ। 1875 ब्रिटेन ने स्वेज नहर के पौने दो लाख शेयर खरीद लिए। 1888: मौलाना अब्दुल कलाम आजाद का जन्म। 1911: चीनी क्रांतिकारियों ने नानकिंग पर बमबारी की। 1918: प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति। 1948: राष्ट्रीय कैडेट कोर की स्थापना हुई। 1965: कांगों में जनरल जोसेफ मोबुतु ने सत्ता पर कब्जा कर लिया। 1967: जहरीली डबल रोटी खाने से कोलंबिया में 65 व्यक्ति मरे। 1973: यूनान में सेना ने सत्ता हथिया ली। 1975: नीदरलैंड्स ने सूरीनाम को स्वतंत्र किया। 2002: जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक को जम्मू-कश्मीर सरकार ने रिहा किया।

दैनिक पंचांग

11 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

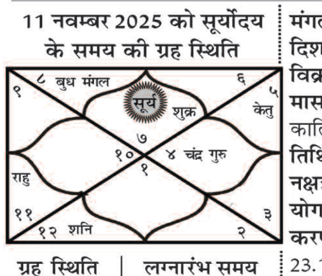

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.39 ब.से
चंद्र	कर्क में	धनु	08.55 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.00 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.47 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.20 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.50 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.30 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.28 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.42 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.58 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		कन्या	02.10 बजे से
		तुला	04.21 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 315 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि सप्तमी 23.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 18.18 बजे को समाप्त।
योग शुभ 09.45 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.33 बजे तदनन्तर बव 23.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872525
जूलियन दिन 2460990.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बोरिंग गाड़ी के धक्के से दंपती समेत चार घायल

धनबाद, एजेंसी। सरायढेला थाना क्षेत्र के गोल बिल्डिंग स्थित बालाजी पेट्रोल पंप के समीप बोरिंग गाड़ी के धक्के से एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. घायलों में धोखरा पलानी के रहने वाले माणिक महतो (40 वर्ष), उनकी पत्नी रेणुका देवी (35 वर्ष), बेटी रिविशा (छह वर्ष) व भतीजी दीपिका (पांच वर्ष) शामिल हैं. सभी की हालत गंभीर बनी हुई है. घटना के बाद बोरिंग वाहन का चालक गाड़ी छोड़ कर फरार हो गया. पुलिस ने चारों घायलों को एसएनएमएमसीएच भेज दिया. चिकित्सकों के अनुसार सड़क दुर्घटना में रेणुका देवी के सिर में गंभीर चोट आयी है. वहीं उसके दोनों पैरों में भी गंभीर चोट लगी है. उनके अलावा दोनों बच्चियों को भी गंभीर चोट लगी है. प्राथमिक उपचार के बाद रेणुका देवी, रिविशा व दीपिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गये. सूचना पर पहुंची पुलिस ने बोरिंग वाहन(जेएच 01 एएम 0203) को जब्त कर लिया है. घायल माणिक महतो ने बताया कि शनिवार की शाम सभी अपने रिश्तेदार के घर बाइक से गये हुए थे. लौटने के दौरान बालाजी पेट्रोल पंप के सड़क किनारे बाइक खड़ी आलू चॉप खरीदने के लिए रुके थे. इसी दौरान तेज गति से आ रही बोरिंग वाहन ने सामने से उन्हें टक्कर मार दी. बालाजी पेट्रोल पंप के समीप बलियापुर मोड़ के समीप सड़क पर लगने वाली जाम की वजह से आये दिन हादसे हो रहे हैं, जिसमें लोगों को जान–माल की क्षति हो रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे अवैध रूप से ठेला, खोमचा लगाने वालों की वजह से मोड़ पर हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है. इस मोड़ पर अक्सर घटनाएं होती रहती हैं. कई बार लोगों की जान भी जा चुकी है.

लोरेटो कान्वेंट स्कूल कैंपस से छात्रा का अपहरण, कार से पहुंचे थे आरोपित, दूसरे जिला से हुई बरामद

रांची, एजेंसी। डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित लोरेटो कान्वेंट स्कूल परिसर से शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े सात से आठ बजे के बीच एक 14 वर्षीया नाबालिग छात्रा का अपहरण कर लिया गया। इस मामले में छात्रा के पिता ने शनिवार को आरक्षी समेत छह पर प्राथमिकी दर्ज कराई। पिता का आरोप है कि गणेश यादव, आरक्षी शंभू यादव, एक नाबालिग, नीतू, सोनू यादव और एक अज्ञात युवक ने मिलकर उसकी बेटी का अपहरण किया है। लड़की के पिता बेटी को लोरेटो कान्वेंट स्कूल छोड़ने स्वयं गए थे। कुछ समय बाद स्कूल प्रशासन ने सूचना दी कि दो अज्ञात व्यक्ति कार से आए और कैंपस से उनकी बेटी को जबरन उठाकर ले गए। स्कूल प्रशासन ने संबंधित गाड़ी का नंबर नोट कर लिया था। इसके बार तुरंत नंबर की जांच की, जिससे पता चला कि गाड़ी शंभू यादव की थी। गाड़ी में शंभू यादव का साला रितेश कुमार और उसका एक साथी भी मौजूद था। रितेश चतरा जिले का रहने वाला है, अक्सर अपने जीजा शंभू यादव के रांची स्थित क्वार्टर में आता–जाता था। पिता के अनुसार, वह बेटी के साथ असामाजिक व्यवहार करता रहा है। मामले में पुलिस कार्रवाई करते हुए छात्रा को दूसरे जिला से बरामद करने के बाद आरोपित नाबालिग को पकड़कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। प्राथमिकी में यह भी कहा गया कि शंभू यादव की पत्नी ने पिता और परिवार को धमकाया कि वह बेटी को बदनाम कर देगी। साथ ही परिवार को बर्बाद कर देगी। पिता ने बताया कि इससे पहले 20 अक्टूबर को भी शंभू यादव और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने बेटी के मोबाइल नंबर पर कई धमकी भरे काल किए थे। पिता का आरोप है कि आरोपितों ने सोची–समझी साजिश के तहत अपहरण किया था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई भी कर दी लेकिन दूसरी ओर डोरंडा थाना पुलिस ने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है।

एमपीएल सुरक्षाकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, भत्ता व पदोन्नति की मांग को लेकर प्लांट में धरना

निरसा (धनबाद), एजेंसी। भत्ता एवं अन्य मांगों को लेकर मैथन पावर लिमिटेड (एमपीएल) के सुरक्षाकर्मी सोमवार से अनिश्चितकाल के लिए कार्य बहिष्कार कर प्लांट के अंदर धरना पर बैठ गए हैं। सुरक्षा कर्मियों का कहना है कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती तब तक हम लोग का आंदोलन जारी रहेगा। सुरक्षा कर्मियों के कार्य बहिष्कार करने के कारण प्लांट का सुरक्षा व्यवस्था में काफी परेशानी आ रही है। सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि एमपीएल के अधीनस्थ कार्यरत अन्य कंपनियां अपने यहां कार्यरत मजदूरों को विशेष भत्ता के रूप में प्रतिमाह तीन से 4000 का भुगतान करती है। परंतु सुरक्षा कर्मियों को लगभग 5 वर्ष पूर्व 1200 भत्ता के रूप में मिलता था वह आज तक मिल रहा है। 11 एवं 12 सितंबर को भी हम लोगों ने कार्य बहिष्कार कर धरना पर बैठे थे। उस वक्त एमपीएल प्रबंधन के लोग एवं सुरक्षा पदाधिकारी ने हम लोगों को लिखित आश्वासन दिया था कि 10 अक्टूबर तक आप लोग के मामले का समाधान कर दिया जाएगा। एक माह बीत जाने के बावजूद ना तो प्रबंधन ने हम लोगों से वार्ता करना उचित समझा और ना ही हम लोगों के भत्ता में ही बढ़ोतरी की गई।

ईडी ने आधा दर्जन अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी, पर नहीं मिली

रांची, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) झारखंड में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत आधा दर्जन से अधिक मामलों का अनुसंधान कर रहा है। इन मामलों के आरोपियों के खिलाफ ईडी ने राज्य सरकार से अभियोजन स्वीकृति मांगी है। लेकिन इनमें मनरेगा घोटाला में आरोपी पूजा सिंघल, जमीन घोटाले में छवि रंजन, रिम्स का कर्मचारी अफसर अली, टेंडर कमीशन घोटाले के आरोपी वीरेंद्र राम और संजीव लाल शामिल है। जांच एजेंसी ने इनके खिलाफ साक्ष्य भी उपलब्ध कराया है। लेकिन अब तक किसी भी मामले में अभियोजन स्वीकृति नहीं मिली।

इन मामलों में राज्य सरकार की शिथिलता को देखते हुए ईडी ने कोर्ट में क्रिमिनल याचिका भी दायर की है। इसमें कोर्ट को बताया गया है कि इन मामलों में सरकार से अभियोजन स्वीकृति मांगी गई है, लेकिन राज्य सरकार इसमें कोई रुचि नहीं ले रही है। इसलिए कोर्ट इस मामले की जांच सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने का निर्देश दे। यह याचिका पिछले साल 21 नवंबर को दायर की गई थी। इसके बार चार बार कोर्ट बैठी, लेकिन सरकार ने हर बार अगली तारीख ले ली। कोई जवाब नहीं दिया। यह याचिका अभी भी कोर्ट में लंबित है।

जमीन घोटाले में ईडी ने सरकारी अधिकारियों व नेताओं की मिलीभगत के सिंडिकेट को उजागर किया। बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध बिक्री के मामले सहित अन्य में आरोपी पूर्व रांची डीसी छवि रंजन के विरुद्ध ईडी ने अभियोजन चलाने की स्वीकृति मांगी। लेकिन नहीं मिली। जमीन घोटाला मामले में सिर्फ एक राजस्व कर्मी भानु प्रताप के विरुद्ध सदर थाने में केस दर्ज कराया गया था।

ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर आवंटन घोटाले का खुलासा कर बड़े रैकेट को उजागर किया। 18 अप्रैल 2023 को ईडी ने आरोपियों की 39 करोड़, 28 लाख 82 हजार 578 रुपए की संपत्ति जब्त की थी। इस मामले में ईडी ने मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के विरुद्ध अभियोजन चलाने की स्वीकृति मांगी। लेकिन राज्य सरकार की ओर से अभियोजन की स्वीकृति नहीं मिली।

ईडी ने राज्य में दर्ज 16 एफआईआर के आधार पर नई ईसीआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू की थी। अनुसंधान के दौरान ईडी ने 19.76 करोड़ रुपए जब्त किए। खूंटी की तत्कालीन डीसी पूजा सिंघल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। 18 नवंबर 2022 को ईडी ने इससे संबंधित सूचना राज्य सरकार से साझा की। फिर अभियोजन स्वीकृति मांगी। लेकिन सरकार ने नहीं दी। एक दिसंबर 2022 को ईडी ने उनकी 82.77 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। नौ दिसंबर को यह सूचना भी राज्य सरकार को दी।

अफसरों पर केस चलाने के लिए अभियोजन स्वीकृति जरूरी : मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले अभियोजन स्वीकृति की जरूरत नहीं थी। नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने से पहले अभियोजन स्वीकृति लेना जरूरी होगा। इस निर्णय के आधार पर ईडी ने इन अधिकारियों के खिलाफ पीएमएलए के तहत कार्रवाई के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी है।

जामताड़ा में नशेड़ियों का उत्पात:बैंक के गार्ड से लूटपाट की कोशिश

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के मिहिजाम स्थित चित्तरंजन रेलवे स्टेशन से सटा कृष्णा नगर इलाका शनिवार देर रात दहशत में रहा। रात करीब पौने ग्यारह बजे शराब के नशे में धुत करीब आधा दर्जन असामाजिक तत्वों ने उत्पात मचाया। दुमका-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस से उतरते ही इन युवकों ने एचडीएफसी बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड राजकुमार को निशाना बनाया और उसके साथ लूटपाट की कोशिश की। राजकुमार स्थिति को समझते हुए किसी तरह वहां से भागकर कृष्णा नगर एक नंबर रोड पर स्थित जय सिंह के घर पहुंचा और मदद की गुहार लगाई।

राजकुमार की बात सुनकर जय सिंह तुरंत बाहर आए, लेकिन तभी हमला करने पहुंचे युवकों के झुंड ने उन पर ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। हमले में जय सिंह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस दौरान वहां मौजूद महिला काजल देवी भी चोटिल हो गईं। अचानक हुए हमले से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए।

एक आरोपी पकड़ाया, बाकी फरार : घटना के बाद स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए एक आरोपी गोलू कुमार यादव को पकड़ लिया। गोलू अंबागान स्थित पुराने एनएसी ऑफिस के पास का रहने वाला बताया गया है। लोगों ने उसे वहीं रोके रखा और पुलिस को सूचना दी। मिहिजाम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गोलू को हिरासत में ले लिया।

बालिका वर्ग में कांके चारिहुजुरी और बुढ़मू राइट टू किक टीम फाइनल में

रांची, एजेंसी। सांसद खेल महोत्सव के तहत फुटबॉल महासंगम का शुभारंभ हो गया है। रांची लोकसभा क्षेत्र के हटिया और कांके विधानसभा में चल रही इस प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया। कांके में सीआईपी ग्राउंड पर हुए मुकाबलों का उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ और सीआईपी निदेशक डॉ. बीके चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। कांके में 10 टीमों ने खेला। बालिका वर्ग में कांके चारिहुजुरी और बुढ़मू राइट टू किक टीम ने 2-0 से मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई।

सभी खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, हटिया विधानसभा में भी 10 टीमों की जोरदार भिड़ंत हुई। बालक वर्ग में सेवन स्टार सखुआ बागान, धुर्वा और मौसीबाड़ी की टीम फाइनल में पहुंची। वहीं बालिका वर्ग में जीटीएस पोखरतोल्ली और तरुण घोष फुटबॉल एकेडमी धुर्वा ने फाइनल में प्रवेश किया।

युवा प्रतिभाओं को पहचानने का खेल महोत्सव : संजय सेठ : रांची लोकसभा क्षेत्र के अन्य चार विधानसभा रांची, सिल्ली, खिजरी और इचागढ़ में भी फुटबॉल महासंगम आयोजित किया गया। सभी जगह की विजेता टीमें फाइनल राउंड के लिए रांची में आमने-सामने होंगी। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने कहा कि यह आयोजन प्रतियोगिता नहीं, बल्कि क्षेत्र की प्रतिभाओं को पहचानने और आगे बढ़ाने का महोत्सव है।

खेत के दलान में सोए 65 वर्षीय बुजुर्ग की लोहे के रॉड से पीट-पीट कर हत्या

रोहतास, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है ऐसे में अचार संहिता के बीच हिंसा और हत्या के मामले लगातार सामने आ रहे है. पुलिस प्रशासनिक चुस्त दुरुस्त व्यवस्था के बीच रोहतास के अकोडी गोला इलाके में बेख़ौफ़ बदमाशों ने खेत के दलान में सोए एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की लोहे के धारदार रॉड से पीट पीट का मौत के घाट उतार दिया. घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भिजवा दिया है और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है.

65 वर्षीय बुजुर्ग की पीट-पीट कर हत्या : दरअसल रोहतास जिले के अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र के बडका गांव में तब हड़कंप मच गया जब बीते रात तेंनुआ गांव में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की पीट पीट कर निर्मम हत्या कर दी गई. इधर गांव में 65 वर्षीय बुजुर्ग की निर्मम हत्या से लोगों में आक्रोश है तथा हत्या के आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोग अड़े हुए हैं.

लोहे के रॉड तथा धारदार हथियार से किया हमला: इस वारदात में लोहे के रॉड तथा धारदार हथियार उपयोग किए जाने का भी आरोप लगाया गया है. मारपीट का आरोप गांव के ही चार युवकों पर लगा है. पुलिस ने मृतक सिपाही पासवान के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भिजवाया है.वारदात के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है.

नशे में धुत्त युवकों से बुजुर्ग की हुई बहस : मृतक के पुत्र का कहना है कि उनके पिता सिपाही पासवान अपने खेत के पास दलान में सोए हुए थे, इस दौरान गांव के ही तीन-चार लड़के नशा करके वहां पहुंच गए, इसी सिलसिले में उनके पिता गणेश पासवान से उन युवकों की बहस हो गई. इसी दौरान उनके साथ मारपीट कर दी गई. दलान में पहले से रखें लोहे के रॉड तथा अन्य धारदार वस्तु से हमला कर दिया गया. जिसमें सिपाही पासवान की मौत हो गई.

विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र मेले का शानदार आगाज, आचार संहिता के कारण सारण कमिश्नर ने किया उदघाटन

सोनपुर, एजेंसी। एक महीने तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले का आज शानदार आगाज हुआ। कमिश्नर राजीव रौशन ने दीप प्रज्वलित कर हरहिर क्षेत्र मेले का उदघाटन किया। इस दौरान सारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार, डीएम अमन समीर और सारण एसपी कुमार आशीष भी मौजूद थे। लोगो को संबोधित करते हुए कमिश्नर ने बताया कि 9 नवंबर से 10 दिसंबर तक इस मेले का आयोजन चलेगा। ÷गंगा और गंडक के संगम पर स्थित सोनपुर मेले का गौरवशाली इतिहास रहा है और वर्षो से इस मेले का आयोजन होता रहा है, जो हम सब के लिए गर्व की बात है। यहां की परंपरा, यहां की संस्कृति और यहां के कला और कलाकारों पर हमें गर्व है।

सीसीटीवी कैमरों से निगरानी: अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं, पर्यटकों और आम नागरिकों की सुरक्षा ही प्राथमिकता है। मेला क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सारण पुलिस की तरफ से पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मेला क्षेत्र में पेट्रोलिंग, निगरानी एवं नियंत्रण के लिए अस्थायी थाना, पुलिस पिकेट, कंट्रोल रूम और सीसीटीवी कैमरों की भी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के लिए शानदार व्यवस्थाः इसके अलावे यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए वन-वे ट्रैफिक, पार्किंग स्थल, वैकल्पिक रास्ता और पैदल यातायात के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महिला सहायता केंद्र और सूचना केंद्र को भी सक्रिय रखा गया है।

सोनपुर मेले का धार्मिक इतिहासः इस विश्व प्रसिद्ध मेले का इतिहास बहुत ही पुराना और धार्मिक है। मान्यता है कि एक बार यहां एक हाथी गंगा नदी में स्नान कर रही थी और तभी एक घड़ियाल ने उसे पकड़ लिया। दोनों के बीच काफी देर तक युद्ध हुआ अंत में हाथी हारने लगी। डूबते हाथी ने भगवान विष्णु को पुकारा तो भगवान प्रकट हुए और हाथी को बचाकर घड़ियाल को मार दिए।

हर वर्ष लगता है सोनपुर मेलाः इस घटना के बाद से ही यहां हजारों की संख्या में हाथियों को लाया जाता है और वह गंगा स्नान करती है। यहां इसकी खरीद बिक्री भी होती है। इस मेले में हाथी, घोड़ा, ऊंट, गाय, भैंस, तोता, कबूतर समेत कई पशु पक्षी नजर आते हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर से हर साल पशु-पक्षियों का बाजार सजता है।

सोनपुर मेले की शानः सोनपुर मेले में दूर दराज से लाखों लोग आते हैं। गंगा-गंडक के संगम पर इस मेले को हरिहर क्षेत्र की शान कहा जाता है। मेले में नाव दौड़, कुश्ती व सांस्कृतिक,घोड़ा दौड़ कार्यक्रमों का भी आयोजन होता है। इस बार मेले में कई राज्यों से पशु पक्षियों को लेकर व्यापारी पहुंचे हैं, जिसमें सबसे खास घोड़ा बाजार है।

आईटीबीपी जवानों को ले जा रही बस में लगी आग, नालंदा से सीतामढ़ी चुनाव कराने जा रहे थे जवान

वैशाली, एजेंसी। आईटीबीपी जवानों से भरी बस जो नालंदा से सीतामढ़ी जा रही थी उसमें अचानक आग लग गई जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार जवानों को देखकर आसपास के लोग भी भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गए और आग पर काबू पाने की कवायद शुरू कर दी। वहीं स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। राहत की बात ये रही कि हादसे में सभी जवान पूरी तरह सुरक्षित हैं।

आईटीबीपी जवानों से भरी बस जा रही थी सीतामढ़ीः बताया जा रहा है कि नालंदा से चुनाव कराने के बाद सभी आईटीबीपी जवान एक बस में सवार होकर सीतामढ़ी जा रहे थे। इसी दौरान हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक पर बस के आगे के हिस्से से धुआं निकालने लगा। इस धुएं पर बस के ड्राइवर और आगे बैठे जवान की नजर पड़ी।

हाजीपुर के रामाशीष चौक पर रोकी गई बस : गाड़ी को साइड करके हाजीपुर के रामाशीष चौक पर रोका गया।जिसके बाद जवान और उनके साथ के सामानों को तेजी से नीचे उतारा गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता के साथ आग बुझाने में अपनी पूरा सहयोग दिया जिसके चलते बस पूरे तरीके से जलकर खाक होने से बच गयी।

स्थानीय लोगों ने आग बुझाने में की मदद : वहीं इसकी सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर वैशाली पुलिस की टीम भी पहुंच गई।साथ ही इलाके के लोगों ने बस से जवानों को उतारने में मदद की साथ उतरते ही जवानों ने अपना सामान स्थानीय लोगों ने बाल्टी और पानी लेकर मदद के लिए दौड़ पड़े और जल्द ही बस की आग बुझा दी गई।

ड्राइवर ने दिखाई समझदारी : सदर थाना क्षेत्र में बस के अगले हिस्से से अचानक तेज़ धुआं निकलने लगा। चालक ने खतरे को भांपते हुए बिना समय गंवाए बस को रोका और सभी जवानों को सुरक्षित नीचे उतार दिया। राहत की बात यह रही कि किसी भी जवान को कोई चोट नहीं आई।

दूसरी बस से भेजे गए आईटीबीपी जवान : आईटीबीपी जवानों के लिए मौके पर फिर दूसरी बस भेजी गई। जिसमें सभी जवान अपने सामानों के साथ सवार हुए और सीतामढ़ी के लिए रवाना हो गए। इस घटना के चलते कुछ देर के लिए हाजीपुर छपरा मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित हुआ लेकिन मौके पर पहुंचे पुलिस ने अपनी तत्परता से यातायात को खुलवा दिया है।

बिहार में नकली सिपाही का पर्दाफाश, फर्जी वर्दी पहनकर तीन महीने से चला रहा था वसूली का खेल

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा जिले में पुलिस ने एक ऐसे शातिर युवक को गिरफ्तार किया है, जो पिछले तीन-चार महीनों से असली पुलिस की वर्दी पहनकर शहर भर में वाहन चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली कर रहा था. आरोपी की हरकतों से तंग आ चुके लोगों को उस समय राहत मिली, जब बेंता थाना पुलिस ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा.

गुप्त सूचना के बाद चली लंबी निगरानीः बेंता थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लोगों को ठग रहा है. इसके बाद पुलिस टीम ने कई हफ्तों तक उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी. शनिवार को थानाध्यक्ष के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर सौरव, सावो पासवान, कुंदन कुमार समेत पूरी टीम ने बेंता चौक पर दबिश देकर उसे पकड़ लिया.

आरोपी की पहचान और बरामदगीः गिरफ्तार युवक की शिनाख्त मधुबनी जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के कुवाढ गांव निवासी अजय कुमार यादव के पुत्र ऋषि कुमार यादव के रूप में हुई है. तलाशी में उसके पास से पूरी पुलिस वर्दी, नकली आईडी कार्ड, मोबाइल फोन और पुलिस का डंडा बरामद हुआ. ये सामान देखकर खुद पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए.

सिपाही भर्ती में फेल, बन गया फर्जी पुलिसकर्मी : पूछताछ में ऋषि ने कबूल किया कि उसने पहले सिपाही भर्ती परीक्षा दी थी, लेकिन असफल रहा. हार नहीं मानी और बाजार से पुलिस की वर्दी खरीद ली. इसके बाद वह खुद को दरभंगा में तैनात पुलिसकर्मी बताकर शहर के अलग-अलग इलाकों में वाहन रोककर पैसे वसूलने लगा.

परिवार को भी दिया था झूठा भरोसाः चौंकाने वाली बात यह है कि ऋषि ने अपने परिवार को विश्वास दिलाया था कि वह पुलिस में भर्ती हो गया है और दरभंगा में ड्यूटी कर रहा है. उसने आगे बताया कि अच्छी शादी और मोटा दहेज पाने के लिए वह यह नाटक रच रहा था. पुलिस की वर्दी उसकी 'दहेज योग्यता' बढ़ाने का हथियार बन गई थी.

अब लहरियासराय थाने की हिरासत में फर्जी सिपाहीः थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने बता कि फिलहाल ऋषि को लहरियासराय थाने में रखा गया है. उसके खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा और सरकारी वर्दी के दुरुपयोग का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है. पूछताछ जारी है और जल्द ही उसे जेल भेज दिया जाएगा. ÷पूछताछ में ऋषि ने स्वीकार किया है कि उसने पूर्व में सिपाही भर्ती परीक्षा दी थी, लेकिन असफल रहा. इसके बाद उसने पुलिस की वर्दी खरीद ली और खुद को पुलिसकर्मी बताने लगा. वह दरभंगा शहर के अलग-अलग इलाकों में जाकर वाहन जांच के नाम पर पैसों की उगाही करता था

दरभंगा में फर्जी पुलिसकर्मियों की पुरानी बीमारीः यह कोई पहला मामला नहीं है. पहले भी दरभंगा में फर्जी ट्रैफिक दारोगा, नकली एसपी और यहां तक कि फर्जी आईपीएस अधिकारी पकड़े जा चुके हैं. तत्कालीन ट्रैफिक थानाध्यक्ष कुमार गौरव, एडीजी पंकज दराद और एसएसपी सत्यवीर सिंह के कार्यकाल में ऐसे कई शातिर ठगों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया था. पुलिस का कहना है कि अब ऐसे फर्जीवाड़े करने वालों पर और सख्ती बरती जाएगी.

प्रेग्नेंसी के दौरान भी दिखेंगी स्टाइलिश, ट्राई करें ये ट्रेंडी सूट डिजाइन

प्रेग्नेंसी में कम्फर्टेबल कपड़े पहनना हम सभी को पसंद होता है। आप भी अगर सूट के अलग-अलग डिजाइन को सर्च कर रही हैं, तो इसके लिए आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

प्रेग्नेंसी टाइम हर महिला के लिए बेहद खास होता है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा उलझन कपड़ों को लेकर होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि हर किसी का मन करता है कि हम ऐसे कपड़ों को स्टाइल करें जो कम्फर्टेबल हो। इसके लिए महिलाएं अक्सर सूट को स्टाइल करना सबसे ज्यादा पसंद करती हैं। लेकिन सूट डिजाइन को लेने में हम हमेशा कन्फ्यूज्ड रहते हैं कि किस तरह के सूट को वियर करें। इसके लिए आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

अनारकली सूट करें स्टाइल

अगर आपको खुला-खुला सूट पहनना पसंद है, तो इसके लिए आप अनारकली सूट के इस डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। रिचा चड्ढा ने हैवी अनारकली सूट को वियर किया है। आप इसमें चाहें तो प्रिंटेड या गोटा पट्टी वर्क वाले सूट को स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह के सिंपल सूट आपको 500 रुपये में मिल जाएंगे। साथ ही इसे आप कहीं बाहर जाकर भी पहनकर जा सकती हैं। यह लुक को और अच्छा लगता है।

काफ्तान सूट करें स्टाइल

प्रेग्नेंसी में कम्फर्टेबल रहने के लिए आप काफ्तान सूट को स्टाइल कर सकती हैं। यह खुला-खुला होता है। साथ ही इसके साथ प्लाजो और पैंट आते हैं। जिसे वियर करके आप लुक को कम्फर्टेबल फील कर सकती हैं। इसमें आपको डिजाइन में अलग-अलग ऑप्शन मिल जाएंगे। साथ ही आप इसे अलग से भी खरीद सकती हैं और जींस के साथ पहन सकती हैं। इस तरह के सूट आप ऑफिस पहनकर भी जा सकती हैं। मार्केट में इस तरह के सूट आपको 250 से 500 रुपये में मिल जाएंगे।

प्लाजो सूट सेट

अगर आप कहीं बाहर जानें का प्लान कर रही हैं, और पूरे दिन कम्फर्टेबल रहना चाहती हैं, तो इसके लिए आप प्लाजो सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको कट डिजाइन और स्लिट कट डिजाइन वाला सूट मिल जाएगा। जिसे आप आराम से पहनकर जा सकती हैं। इसमें आपको प्रिंट छोटे और बड़े दोनों मिल जाएंगे। मार्केट से खरीदने पर आपको इसमें वर्क भी अलग-अलग मिल जाएंगे। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। यह सूट आप बाजार से 500 रुपये में कॉटन फैब्रिक में खरीद सकती हैं।

प्रेग्नेंसी में खूबसूरत और कम्फर्टेबल दिखने के लिए आप इन सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आप अलग नजर आएंगी।

आपको भी लगता है स्क्रीन की लत ने बच्चों को बना दिया है बदतमीज? पेरेंट्स जरूर करें ये काम

आजकल के बच्चे इतने जिद्दी और बदतमीज हो गए हैं कि वे एक सेकंड भी बिना स्क्रीन देखे नहीं रह सकते हैं। कुछ माता-पिता की यह भी शिकायत है कि स्क्रीन टाइम के कारण उनके बच्चे बदतमीज होते जा रहे हैं। आइए इनके कारणों और निवारण के बारे में आज हम आपको बताते हैं।

स्क्रीन टाइम यानी स्मार्टफोन को देखने में बीतने वाला वक्त न केवल बच्चों के लिए शारीरिक समस्याएं पैदा करता है, बल्कि उनके व्यवहार पर भी दुष्प्रभाव डाल रहा है। कुछ माता-पिता की यह भी शिकायत है कि स्क्रीन टाइम के कारण उनके बच्चे बदतमीज होते जा रहे हैं। इसके कारणों को समझना और बचाव के तरीकों को लेकर समय रहते कदम उठाना बहुत जरूरी है।

स्क्रीन की लत से बच्चे के व्यवहार पर पड़ता है ऐसा असर

बहुत ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताने से बच्चे सेंसरी ओवरलोड का शिकार हो जाते हैं। इससे उन्हें किसी बात पर फोकस करने में मुश्किल होने लगती है और मानसिक ऊर्जा में कमी का अनुभव होता है। इससे उनमें गुस्सा बढ़ता है। स्मार्टफोन पर ज्यादा समय बिताने वाले बच्चों और उनके माता-पिता के बीच संवाद कम होता है। घर में लोगों के साथ कम समय बिताने के कारण बच्चे सामाजिक एवं व्यावहारिक रूप से कटा-कटा अनुभव करते हैं, जिससे उनमें गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। आजकल वीडियो गेम से लेकर कार्टून सीरियल्स और फिल्मों तक हर जगह हिंसा का बोलबाला है। लगातार इन्हें देखने वाले बच्चों के मन में हिंसा के प्रति आकर्षण पैदा होने लगता है। यही आकर्षण उन्हें शारीरिक एवं शाब्दिक हिंसा के लिए प्रेरित करता है और बच्चे बदतमीज हो जाते हैं। छोटे बच्चे वर्चुअल दुनिया और रियलिटी में बहुत ज्यादा फर्क करना नहीं जानते हैं। इसी कारण से स्मार्टफोन पर देखी गई बातें उनके व्यवहार पर असर डालती हैं।

पेरेंट्स सतर्कता से उठाएं कदम

अगर आपके बच्चे के व्यवहार में भी इस तरह के बदलाव आ रहे हैं, तो सतर्क हो जाएं। इससे पहले कि बच्चे के व्यवहार पर स्थायी प्रभाव पड़ने लगे, उसके स्क्रीन टाइम को कम करने की दिशा में प्रयास करें। इसके लिए आपको कुछ नियम तय करने पड़ सकते हैं। बच्चे कब, कितनी देर और क्या देखेंगे, इसे लेकर स्पष्ट रहना जरूरी है। इस संबंध में आपको शुरुआत से ही सख्ती रखनी चाहिए। बच्चे देखकर ही सीखते हैं। इसलिए स्वयं भी स्क्रीन टाइम कम रखें, जिससे बच्चा आपको देखकर प्रेरित हो और स्मार्टफोन पर कम समय बिताए।

व्यवहार पर नजर रखना भी जरूरी है। बच्चे के व्यवहार में अचानक से होने वाले किसी भी बदलाव के प्रति सतर्क रहें और उसके कारण को दूर करने का प्रयास करें।

बच्चे को किताबें पढ़ने के लिए और बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही उसे कुछ क्रिएटिव करने के लिए भी प्रेरित करें। घर में एक टेक-फ्री जोन बनाएं। वहां बच्चे के खेलने और मनोरंजन के लिए किसी तरह का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट न रहे। बच्चे के साथ वहां कुछ समय बिताएं।

इन चीजों के मामले में बच्चे को दें पूरी आजादी, सख्त पैरेंटिंग से बिगड़ सकता है भविष्य

बच्चे के साथ हर समय सख्ती से पेश आना विपरीत परिणाम दे सकता है। इसका असर बच्चों के भविष्य पर पड़ सकता है, जिससे बाद में आपको भी परेशानी हो सकती है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चे को किन मामलों में आजादी देना जरूरी होता है।

बच्चों को समझना और समझाना कतई बच्चों का खेल नहीं है। हर कदम पर सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। हालांकि इसी सतर्कता के चक्कर में कई बार माता-पिता बहुत ज्यादा सख्त हो जाते हैं। यह बच्चों के विकास के लिए घातक है। बच्चों को आगे बढ़ने और सफल होने के लिए नियम-अनुशासन के साथ-साथ थोड़ी आजादी की भी जरूरत होती है। आजादी और सतर्कता के बीच संतुलन से आप बच्चों का विकास एवं उनकी सुरक्षा दोनों सुनिश्चित कर सकते हैं।

निर्धारित करें सीमा

स्कूल से आने के बाद बच्चों का थोड़ा खेलने-कूदने का मन कर सकता है। अगर उन्हें सख्त पैरेंटिंग के चक्कर में आप घर से भी बाहर नहीं निकलने देंगे, तो उनका विकास अवरुद्ध होगा। आप बच्चे के साथ सहमति के आधार पर कुछ सीमाएं बना सकते हैं। जैसे बच्चे को बताइए कि वह किस गली तक या किसके घर तक और कितने बजे तक अकेले खेलने जा सकता है। साथ ही उसे प्यार से यह भी समझाइए कि यह सीमा उसकी सुरक्षा के लिए तय की गई है और जब भी उसे इससे आगे जाना हो तो वह घर पर पूछकर ऐसा करे।

खुद से कुछ करने का मौका दें

किशोर होते बच्चे अकेले कुछ काम करना चाहते हैं। उन्हें इसका मौका दें। उनकी जरूरत की और स्टेशनरी की हर चीज उन्हें खरीदकर मत दें। अगर आसपास कोई दुकान है, तो उन्हें वहां जाकर खुद अपनी जरूरत की चीज खरीदने को कहें। इससे उनमें आत्मविश्वास भी आएगा और वे हिसाब-किताब भी समझेंगे। ऐसा करना उन्हें लोगों से संवाद करने में भी सहज बनाएगा।

बच्चों से कुछ काम करवाएं

किशोर होते बच्चों में जिम्मेदारी और समयबद्धता की भावना जगाने के लिए उनसे कुछ काम भी करवाना चाहिए। जैसे अगर घर में कोई अन्य छोटा बच्चा है, तो उसे घुमाने की जिम्मेदारी घर के बड़े बच्चे को दे सकते हैं। बच्चे को घर के कामों में भी थोड़ा-बहुत योगदान देने के लिए प्रेरित करें। इससे वह स्वयं का महत्व समझता है और उसमें जिम्मेदारी की भावना आती है।

हस्तक्षेप न करें

पैरेंटिंग का सबसे मुश्किल पहलू है हस्तक्षेप न करना। एक बार जब बच्चे के साथ आप किसी सीमा को तय कर लें, तो उसे उस सीमा तक आजादी से रहने दें। इसमें बहुत धैर्य की जरूरत होती है। कभी लगे कि बच्चा कोई काम बिगाड़ देगा, तब भी अगर बहुत बड़ा नुकसान नहीं होने जा रहा है, तो उसे मत टोकें। उसे अपनी समझ और आजादी के साथ काम करने दें। गलती का स्वयं आभास होने दें। बाद में भी उसे डांटने के बजाय सिखाने का प्रयास करें, जिससे भविष्य में गलती न हो।

स्कूल के मामले में भी आजादी जरूरी

स्कूल से जुड़े मामलों में भी बच्चों को आजादी की जरूरत होती है। स्कूल में कोई प्रोग्राम होना है, तो बच्चे को उसमें हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन किस प्रतियोगिता में भाग लेना है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें। हर बात में अपनी राय न थोपें। हो सकता है कि आप उसे मैथ्स के ओलंपियाड में हिस्सा दिलाना चाहते हों, लेकिन उसकी रुचि हिंदी में हो। उसे अपने निर्णय लेने दें। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह बेहतर निर्णय लेने में भी सक्षम बनेगा।

कुछ ही दिनों में खराब हो जाएगा स्नेक प्लांट, अगर रखेंगी इन जगहों पर

स्नेक प्लांट एक लो मेंटेनेंस पौधा है और इसलिए लोग इसे अपने घर में जगह देना पसंद करते हैं। लेकिन फिर भी ऐसी कई जगहें होती हैं, जहां पर आपको स्नेक प्लांट को नहीं रखने से बचना चाहिए।

अपने घर को सजाने के लिए हम सभी कई चीजों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पौधे ना केवल आपके घर को खूबसूरत बनाते हैं, बल्कि इनसे अन्य भी कई फायदे मिलते हैं। यूं तो घरों में हम सभी अपने स्पेस व जरूरत के अनुसार प्लांट लगाते हैं, लेकिन स्नेक प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे हम घर की कई अलग-अलग जगहों पर रखना पसंद करते हैं। यह सबसे कम देखभाल वाला हाउसप्लांट है। साथ ही साथ, यह घर के अंदर की हवा को भी प्योरिफाई करने में मदद करते हैं। चूंकि इन्हें बहुत अधिक केयर की जरूरत नहीं होती है, इसलिए इन्हें एक बिगनर भी अपने घर में जगह दे सकता है। दरअसल, स्नेक प्लांट को इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप उन्हें पानी देना भूल गए हैं या आपकी लाइटिंग सही नहीं है। वे जल्दी खराब नहीं होते हैं। वे आपके लिविंग रूम से लेकर आपके ऑफ़िस डेस्क तक लगभग किसी भी जगह में फ़िट हो सकते हैं और इसे स्टाइलिश भी बना सकते हैं। अमूमन लोग इन्हें कहीं पर भी रख देते हैं। हालांकि, ऐसी कुछ जगहें होती हैं, जहां पर स्नेक प्लांट को रखने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उन्हें नुकसान हो सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में-

सीधी धूप में ना रखें

आपको अपने घर में स्नेक प्लांट को ऐसी किसी भी जगह पर नहीं रखना चाहिए, जहां से सीधी धूप आती हो। स्नेक प्लांट धूप को सहन कर सकते हैं, लेकिन बहुत ज़्यादा सीधी धूप उनकी पत्तियों को झुलसा सकती है। अगर आपका स्नेक प्लांट सनबर्न से पीड़ित है, तो आपको ब्राउन, क्रिस्पी और फेडेड पीले पत्ते दिखाई दे सकते हैं। कोशिश करें कि आप स्नेक प्लांट को इनडायरेक्ट सनलाइट में रखें।

ह्यूमिडिफायर के ठीक बगल में ना रखें

हम सभी अपने घर में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, लेकिन आपको कभी भी स्नेक प्लांट को ह्यूमिडिफायर के ठीक बगल में रखने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, स्नेक प्लांट अपनी पत्तियों में पानी जमा करते हैं और सूखी हवा पसंद करते हैं। उन्हें ह्यूमिडिफायर के पास रखने से अत्यधिक नमी हो सकती है, जिससे रूट रॉट या फिर फंगल की समस्या हो सकती है। इसलिए, अपने ह्यूमिडिफायर को कहीं और रखें या पौधे के लिए कम नमी वाली जगह चुनें।

हीटर के पास ना रखें

ह्यूमिडिफायर की तरह ही स्नेक प्लांट को हीटर के करीब भी रखने से बचना चाहिए। ठंड के मौसम में हम हीटर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर स्नेक प्लांट को इसके करीब रखा जाता है तो पौधे को नुकसान उठाना पड़ सकता है। हीटर गर्म और रूखी हवा फेंकते हैं, जो आपके स्नेक प्लांट की मिट्टी और पत्तियों से नमी को सोख सकते हैं। इसकी वजह से आपका प्लांट सूख जाता है। कोशिश करें कि आप स्नेक प्लांट को हीटर सहित अन्य हीट सोर्स से कुछ फीट दूर रखें।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

भारत के लिए मुसीबत बनेगी अमेरिका और चीन की दोस्ती

मेक इन इंडिया को लगेगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी।
ट्रेड वॉर के बीच अमेरिका और चीन नजदीक आते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जहां चीन पर लगाए गए टैरिफ में नरमी दिखाई है तो वहीं चीन ने भी कुछ ढील दी है। वहीं इन दोनों देशों की नजदीकी भारत के लिए मुसीबत बन सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री पर दिखाई दे सकता है। इसे लेकर इंडस्ट्री ने अपनी चिंता भी सरकार के सामने जताई है।

भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री ने सरकार से कहा है कि वह अपनी सहायक नीतियों को जारी रखे। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इंडस्ट्री को चिंता है कि अगर अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक संबंध सामान्य हो जाते हैं, तो इससे भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट की वह प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाएगी जो उसने बड़ी मुश्किल से हासिल की है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री मेक इन इंडिया की सबसे बड़ी सफलता की कहानी है। अगर इस इंडस्ट्री को नुकसान होता है तो यह मेक इन इंडिया स्कीम के लिए भी झटका होगा।

भारत पर क्या पड़ेगा असरत्न भारत पिछले कई सालों से चीन की तुलना में फायदे की स्थिति में था। साल 2018 से अमेरिका ने ट्रंप और जो बाइडेन दोनों प्रशासनों के तहत अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत चीन पर लगातार टैरिफ लगाए हैं। इसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक बड़ा बदलाव शुरू किया। इस फायदे ने भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को बढ़ावा दिया। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में अमेरिका को निर्यात 42 प्रतिशत बढ़कर 22.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2025 की इसी अवधि में यह 15.6 अरब डॉलर था। स्मार्टफोन, जो इस श्रेणी में सबसे ऊपर हैं, उनमें भी तेज वृद्धि देखी गई।

क्यों बढ़ी इंडस्ट्री की चिंता

[redacted]

अमेरिका को गैलियम-जर्मेनियम जैसे अहम तत्वों पर मिली राहत, चीन ने हटाए निर्यात प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी जैसे तत्वों पर अमेरिका के लिए लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटा दिया है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को इसकी घोषणा की।

मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि यह फैसला कुछ दोहरे इस्तेमाल वाली वस्तुओं पर लागू नियंत्रण उपायों के आंशिक निलंबन से जुड़ा है। इसमें गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी जैसे औद्योगिक पदार्थ शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, यह निलंबन घोषणा संख्या- 46 (2024) की दूसरी धारा पर लागू होगा और यह नौ नवंबर 2025 से 27 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। पहले इस धारा के तहत अमेरिका को इन औद्योगिकी पदार्थों के निर्यात पर रोक थी और ग्रेफाइट के निर्यात पर सख्त जांच की शर्तें थीं। वहीं, पहली धारा पहले की तरह लागू रहेगी, जिसमें अमेरिकी सेना या सैन्य उपयोग के लिए दोहर उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर रोक है। वाणिज्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह अस्थायी निलंबन केवल दूसरी धारा के लाइसेंस और समीक्षा से जुड़ी पाबंदियों पर लागू होगा। पिछ्ले साल दिसंबर में चीन ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई भी संगठन या व्यक्ति चीन में बने दोहरे उपयोग वाले सामानों को अमेरिकी संस्थाओं को अवैध रूप से भेजेगा, तो उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और चीन के बीच एक अहम व्यापार और आर्थिक समझौता हुआ। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच दक्षिण कोरिया के बुसान में मुलाकात के बाद हुआ।

243 प्रतिशत बढ़ गया एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स का मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। ब्यूटी और फैशन ई-टेलर नायका की पेरेंट कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज 7 पर्सेंट तक की तेजी देखी गई और यह 262 रुपये पर आ गया था। शेयरों में यह तेजी शानदार सितंबर तिमाही के नतीजे के बाद देखी गई है। नायका ने बीते शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जुलाई-सितंबर तिमाही के अपने परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने दूसरी तिमाही के अपने समेकित नेट प्रॉफिट में 243 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 34.43 करोड़ रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.04 करोड़ था। नायका का रेवेन्यू भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़कर 2,345.98 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,874.74 करोड़ था, जैसा कि कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों में बताया गया है। शुद्ध लाभ में क्रमिक आधार पर 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के 23 करोड़ से बढ़कर 2,155 करोड़ हो गया। ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टैनली ने नायका के शेयर पर अपना ओवरवेट रेटिंग बरकरार रखा है और 271 का टारगेट प्राइस तय किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी को अपने दोनों प्रमुख व्यवसायों (ब्यूटी और फैशन) में विकास की गति बनाए रखने का भरोसा है। मॉर्गन स्टैनली ने यह भी अनुमान लगाया कि तीसरी तिमाही में नायका का ब्यूटी सेगमेंट प्रदर्शन मजबूत रहेगा, जिसे नायकालैंड इवेंट और सेल सीजन का समर्थन मिलेगा। इसी तरह, सीएलएसए ने भी नायका पर अपनी आउटपरफॉर्म रेटिंग को बरकरार रखा है और 298 का टारगेट प्राइस तय किया है। ष्टरुरू ने वित्त वर्ष 2026 से 2028 के लिए नायका के श्वक्क (अर्निंग पर शेयर) अनुमान में 2 प्रतिशत से 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वर्तमान में, नायका पर 25 विश्लेषकों का कवरेज है, जिनमें से 12 ने बाय की, चार ने होल्ड की और 9 ने बेचने की रेटिंग दी है।

भारत में लॉन्च हुई मोटापे की नई दवा

नई दिल्ली, एजेंसी। एमक्योर कंपनी के शेयरों की कीमत में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसका कारण यह है कि कंपनी ने वजन घटाने की एक प्रसिद्ध दवा को भारत में लॉन्च करने के लिए नोवो नॉर्डिस्क नामक बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ एक महत्वपूर्ण सौदा किया है। नोवो नॉर्डिस्क की भारतीय शाखा ने एमक्योर कंपनी के साथ मिलकर पोविज़्ट्रा नामक एक दवा लॉन्च करने का फैसला किया है। यह दवा वेगोवी नामक उनकी प्रसिद्ध वजन-घटाने वाली दवा का ही एक दूसरा ब्रांड है। इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य भारत में मोटापे के इलाज को और अधिक लोगों तक पहुंचाना है। इस सौदे के तहत, एमक्योर कंपनी को भारत में इस दवा के डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग का विशेष अधिकार मिल गया है। एमक्योर कंपनी इस दवा के विपणन और वितरण की जिम्मेदारी संभालेगी। कंपनी का देशव्यापी नेटवर्क इस दवा को बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक भी पहुंचाने में मदद करेगा, जहां तक नोवो नॉर्डिस्क की सीधी पहुँच सीमित है। पोविज़्ट्रा दवाइयों में सेमाग्लुटाइड नामक एक सक्रिय तत्व होता है। यह एक प्रकार का इंजेक्शन है, जिसे सप्ताह में केवल एक बार लगाया जाता है। यह दवा शरीर में भूख को नियंत्रित करके और कैलोरी इंटेक कम करके वजन घटाने में मदद करती है। वैश्विक शोधों में देखा गया है कि इस दवा का उपयोग करने वाले हर तीन में से एक व्यक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक वजन कम हुआ है। इसके अलावा, यह दिल की बीमारियों के खतरे को भी कम करती है। नोवो नॉर्डिस्क के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह साझेदारी भारत में मोटापे के इलाज को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एमक्योर के मजबूत नेटवर्क के साथ मिलकर वे सुरक्षित और प्रभावी उपचार को और अधिक लोगों तक पहुंचा पाएंगे। दवा को भारतीय मरीजों तक लेकर आने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड का 7 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों में आज 7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कमजोर तिमाही नतीजों से निवेशक काफी निराश दिखाई दे रहे हैं। ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस भी उत्साहित नहीं है। इस टाटा ग्रुप की कंपनी के शेयरों के टारगेट प्राइस में कटौती की गई है। शेयर बाजार में ट्रेंट लिमिटेड के शेयर बीएसई में 4621.60 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 7 प्रतिशत की गिरावट के बाद 4298 रुपये के लेवल पर आ गए। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। ट्रेंट ने दी जानकारी में कहा है कि सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि ट्रेंट लिमिटेड का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 373.42 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 335.06 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के प्रॉफिट में 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। रेवन्यू की बात करें तो सितंबर तिमाही में यह 4817.68 करोड़ रुपये रहा है। जोकि साल दर साल के आधार पर 16 प्रतिशत अधिक है।

त्योहारी मांग और जीएसटी सुधारों से बढ़ी कर्ज की रफ्तार

बैंकों की कमाई में तेजी के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी।
आने वाले महीनों में बैंकों की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। सिस्टमैटिक्स रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों की मुनाफे में बढ़त चार वजहों से हो सकती है, ज्यादा कर्ज देने की रफ्तार, जमा पर घटती ब्याज दरें, नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कमी और असुरक्षित लोन (जैसे पर्सनल लोन) में फिसलन कम होना।

माइक्रोफाइनेंस संस्थानों में लोन न चुकाने के मामलों में आई कमीत्न रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक इस समय जमा पर दी जाने वाली ब्याज दरों को दोबारा तय कर रहे हैं, जिससे उनके खर्च कम होंगे और मुनाफा बढ़ेगा। साथ ही, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) में लोन न चुकाने के मामलों में कमी आई है, जिससे बैंकों की हालत और बेहतर होगी। बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन में आ सकती है गिरावट रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंकों का नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) यानी ब्याज से होने वाली कमाई थोड़ा कम रह सकती है, लेकिन आगे जाकर ये स्थिर होने की उम्मीद है। कुछ बैंकों ने तो उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन भी किया है। ज्यादातर बैंकों के लिए लोन पर मिलने वाला ब्याज (यील्ड) थोड़ा घटा है, लेकिन इसका असर कम रहा क्योंकि बैंकों के लिए जमा और उधार पर ब्याज का खर्च भी घटा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में किए गए बदलाव का पूरा फायदा बैंकों को वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में दिखेगा। साथ ही, नकद आरक्षित अनुपात में कटौती का असर भी धीरे-धीरे नजर आएगा। बैंक प्रबंधन का अनुमान है कि तीसरी तिमाही में मुनाफे का मार्जिन स्थिर रहेगा और चौथी तिमाही से इसमें सुधार शुरू होगा, बशर्ते ब्याज दरों में आगे कोई कटौती न हो। पहली तिमाही में जहां कर्ज की रफ्तार धीमी थी, वहीं दूसरी तिमाही में इसमें तेजी आई। इसका कारण है जीएसटी दरों में कमी और त्योहारी सीजन की बढ़ती मांग। इसी वजह से सालाना आधार पर क्रेडिट ग्रोथ बढ़कर 11.4 फीसदी तक पहुंच गई। हालांकि दूसरी तिमाही में बैंकों के मुनाफे के कमजोर रहने की उम्मीद थी, लेकिन नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 3 अक्तूबर 2025 तक बैंकिंग सिस्टम के कुल कर्ज में तिमाही आधार पर 4.2 प्रतिशत और सालाना आधार पर 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

अब सैंडविच भी बेचेगा हल्दीराम! अमेरिका के मशहूर ब्रांड के साथ हाथ मिलाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की सबसे बड़ी एथनिक फूड कंपनी हल्दीराम ग्रुप अब वेस्टर्न स्टाइल के क्विक सर्विस रेस्टोरेंट खोलने की तैयारी में है। इसके लिए वह अमेरिका की ग्लोबल रेस्टोरेंट कंपनी इंस्पायर ब्रांड्स के साथ एक खास फ्रेंचाइजी डील करने की तैयारी में है। इस डील के तहत हल्दीराम ग्रुप भारत में इंस्पायर ब्रांड्स की सैंडविच चेन जिमी जॉन्स को लॉन्च करेगा। हल्दीराम ग्रुप का फाउंडर अग्रवाल परिवार सबवे और टिम हॉर्टन्स जैसे ग्लोबल ब्रांड्स से मुकाबला करना चाहता है। उसकी नजर युवा पीढ़ी के उन ग्राहकों पर है जो वेस्टर्न कैफे-स्टाइल फॉर्मेट को बहुत पसंद करते हैं। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है।

इंस्पायर ब्रांड्स के पास दो और ग्लोबल ब्रांड्स हैं जो पहले से भारत में मौजूद हैं। इनमें ग्लोबल कॉफी और डोनट चेन डंकिन शामिल है, जो जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (के साथ फ्रेंचाइजी पार्टनरशिप में काम कर रही है। वहीं, आइसक्रीम और केक ब्रांड बास्किन-रॉबिन्स ग्रेविस ग्रुप के साथ मिलकर भारत में अपना कारोबार चला रहा है। हल्दीराम ग्रुप की एफएमसीजी कंपनी का नाम हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड है।

जिमी जॉन्स का बिजनेस

अगर यह डील पक्की हो जाती है, तो नया क्यूएसआर चेन हल्दीराम ग्रुप के रेस्टोरेंट बिजनेस के तहत आएगा। हल्दीराम का रेस्टोरेंट बिजनेस फिलहाल करीब 2,000 करोड़ का है और भारत में इसके 150 से ज्यादा आउटलेट हैं। हल्दीराम के प्रवक्ता ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। वहीं, इंस्पायर ब्रांड्स ने भी कमेंट के लिए भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

जिमी जॉन्स की शुरुआत 1983 में हुई थी। यह सबवे की तरह ही सैंडविच और रैप बनाने वाली एक चेन है। अमेरिका, कनाडा, साउथ कोरिया और यूएई में इसके 2,600 से ज्यादा रेस्टोरेंट हैं। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक अमेरिका में जिमी जॉन्स डिलीवरी सैंडविच ब्रांड्स में सबसे बड़ी है और इसकी कुल बिक्री 2.6 बिलियन है। इंस्पायर ब्रांड्स एक मल्टी-ब्रांड रेस्टोरेंट कंपनी है। कंपनी के लीडर्स ने हाल ही में अपनी कमाई की रिपोर्ट के बाद कहा है कि वे इंटरनेशनल फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट के जरिए नए बाजारों में विस्तार करना चाहते हैं। भारत का फूड सर्विसेज मार्केट इंस्पायर ब्रांड्स की स्थापना साल 2018 में हुई थी। यह फिलहाल चार ग्लोबल बाजारों में काम कर रही है। 2024 तक इसकी ग्लोबल सिस्टम सेल्स 32.6 बिलियन थी और इसके 33,000 रेस्टोरेंट थे। कंपनी ने अभी 2025 के आंकड़े जारी नहीं किए हैं। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज में दर्ज जानकारी के अनुसार हल्दीराम स्नैक्स फूड ने वित्त वर्ष 2024 में 12,800 करोड़ का रेवेन्यू और 1,400 करोड़ का नेट प्रॉफिट दर्ज किया।

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का फूड सर्विसेज मार्केट वित्त वर्ष 2028 तक 7.76 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2024 में 5.69 लाख करोड़ था। इस बढ़ोतरी के पीछे युवा उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या, बाहर खाने की आदतों में लगातार वृद्धि और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स द्वारा लास्ट-माइल डिलीवरी को आसान बनाना जैसे कारण बताए गए हैं।

डिजिटल लेन-देन में तेजी: यूपीआई से हर दिन करोड़ों ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।
सितंबर 2024 में राजस्थान के 13 लोगों के गैंग ने हैदराबाद की एक मशहूर इलेक्ट्रॉनिक्स चेन को करीब चार करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। तरीका क्या था गैंग के लोग दुकान में जाते, महंगे फ्रिज-टीवी चुनते, क्यूआर कोड की फोटो खींचते। राजस्थान से उनके साथी असली पेमेंट करते। सामान मिल जाता, फिर बैंक में चार्जबैक कंप्लेंट डालकर पैसा वापस मंगा लेते और सामान भी रख लेते। पुलिस ने सबको पकड़ा, 1.72 लाख रुपये कैश और 50 लाख का सामान बरामद हुआ।

यूपीआई ने कमाल कर दिया। अक्तूबर-2025 में 20.7 अरब से ज्यादा ट्रांजेक्शन, 27 लाख करोड़ रुपये का भुगतान। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, यूपीआई से 18 अक्तूबर को अकेले एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का लेन-देन हुआ। करीब 67.5 करोड़ ट्रांजेक्शन प्रतिदिन हो रहे हैं, यानी दुनिया के आधे डिजिटल पेमेंट भारत में।

सरकार ने हाल में ही संसद को बताया कि- 2022-23 से 2023-24 में फ्रॉड केस पूरे 85 प्रतिशत बढ़ गए-मतलब दोगुने से भी ज्यादा। पैसे की ठगी 89.7 फीसदी बढ़ी-यानी ठग अब बड़े भुगतानों पर निशाना लगा रहे हैं। अप्रैल से सितंबर, 2024 तक 6.32 लाख केस दर्ज हुए। 485 करोड़ रुपये डूब गए। अगर यह रफ्तार बनी रही, तो इस साल यूपीआई फ्रॉड का रिकॉर्ड बनेगा। यानी क्क्ष का इस्तेमाल जिस गति से बढ़ रहा है, फ्रॉड भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि यह आंकड़ा उस धोखाधड़ी का है, जिनकी शिकायत हुई है। जो रिपोर्ट नहीं हुए, उन्हें मिलाने के बाद आंकड़ा काफी बड़ा हो सकता है। कलेक्ट रिक्वेस्ट पर बड़ी कार्रवाई- अक्तूबर 2025 से पीयर-टू-पीयर (यानी दो लोगों के बीच) कलेक्ट रिक्वेस्ट पूरी तरह बंद किए। पहले रिफंड आया है या केवाईसी कर लें जैसे संदेशों के जरिये कलेक्ट रिक्वेस्ट आते थे और अप्रूव करते ही पैसे कट जाते थे। ध्यान रखें, इस तरह का कोई भी मैसेज फ्रॉड होता है।

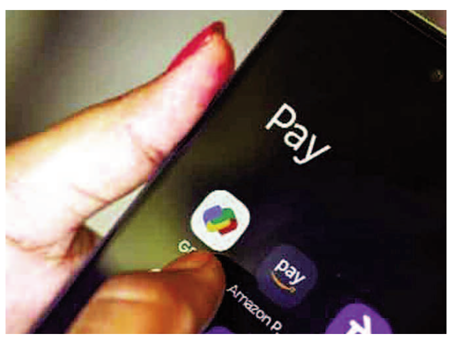

मार्केट क्रैश को लेकर कियोसाकी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
क्या दुनिया में एक और आर्थिक संकट आने वाला है रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने इससे जुड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चेतावनी दी है कि बाजार में बड़ी गिरावट आने वाली है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वह घबराकर अपनी संपत्ति बेच नहीं रहे हैं। बल्कि खरीद रहे हैं। उन्होंने यह चेतावनी नकली नोटों के कारण दी है।

रॉबर्ट कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में सोना, चांदी, बिटकॉइन आदि में एक टार्गेट प्राइस सेट किया है। उन्होंने साल 2026 तक सोने का भाव 27,000 डॉलर और बिटकॉइन का भाव 2,50,000 डॉलर तक पहुंचने का बड़ा लक्ष्य रखा है। साथ ही उन्होंने अमेरिकी ट्रेजरी और फेडरल रिजर्व पर नकली पैसा छापने का आरोप लगाया है। सोना और बिटकॉइन पर क्यों जताया भरोसा कियोसाकी का कहना है कि सोना और बिटकॉइन पर उनका भरोसा पैसे के नियमों पर आधारित है। उन्होंने लिखा, सोने के लिए मेरा लक्ष्य मूल्य 27 हजार डॉलर है। यह कीमत मुझे मेरे दोस्त जिम रिकार्ड्स से मिली है... और मेरे पास दो सोने की खदानें भी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने साल 1971 में सोना खरीदना शुरू कर दिया था, उसी साल जब राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने अमेरिकी डॉलर को सोने के मानक से हटा दिया था। कियोसाकी ने कहा, निक्सन ने ग्रेशम के नियम का उल्लंघन किया, जो कहता है कि जब नकली पैसा सिस्टम में आता है... तो असली पैसा छिप जाता है। इसलिए मैं सोना, चांदी, बिटकॉइन और एथेरियम खरीदता रहता हूं, भले ही वे गिर रहे हों।

कियोसाकी ने अन्य संपत्तियों के लिए भी बड़े अनुमान बताए। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है, साल 2026 तक चांदी 100 डॉलर तक पहुंच जाएगी। मेरे पास चांदी की खदानें हैं और मुझे पता है कि नई चांदी की आपूर्ति कम है। एथेरियम 60 डॉलर तक जाएगा। यह अनुमान मुझे टॉम ली से मिला है।

फेड और ट्रेजरी की आलोचनात्न कियोसाकी ने अमेरिकी नीति निर्माताओं को लेकर तीखी आलोचना की। उन्होंने लिखा, दुर्भाग्य से अमेरिकी ट्रेजरी और फेड नियमों को तोड़ते हैं। वे अपने बिलों का भुगतान करने के लिए नकली पैसा छापते हैं। अगर आप और मैं वही करते जो फेड और ट्रेजरी कर रहे हैं... तो हम कानून तोड़ने के आरोप में जेल में होते। उन्होंने आगे कहा, आज अमेरिका इतिहास का सबसे बड़ा कर्जदार देश है और इसलिए मैं लगातार बचत करने वालों को नुकसान की चेतावनी दे रहा हूं।

पहले भी दे चुके हैं चेतावनी

कियोसाकी पहली बार ऐसी कोई चेतावनी नहीं दे रहे हैं। वह पहले भी ऐसे आर्थिक संकट के बारे में बताते रहे हैं। उनकी यह ताजा पोस्ट फिएट मनी (सरकारी मुद्रा) पर अविश्वास और दुर्लभ संपत्तियों पर दांव लगाने की उनकी पुरानी सोच को दर्शाती है। कियोसाकी के लिए हर गिरावट घबराने का संकेत नहीं, बल्कि यह खरीदने का एक अवसर है।

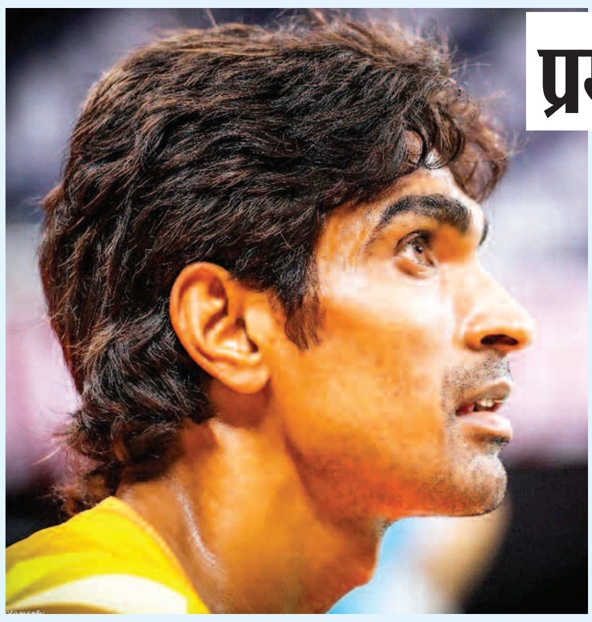

प्रमोद भगत ने जापान पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पैरा बैडमिंटन स्टार प्रमोद भगत ने पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीतकर कमाल कर दिया। प्रमोद ने एकल, युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। प्रमोद भगत ने एसएल3 एकल फाइनल में जापान के डाइसुके फुजिहारा के खिलाफ पहला सेट हारने के बावजूद जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 1 घंटे 33 मिनट तक चले कड़े मुकाबले को उन्होंने 17-21, 21-19, 21-10 से जीता। पुरुष युगल के फाइनल में, भगत ने सुकांत कदम के साथ मिलकर हमवतन जगदीश दिल्ली और नवीन शिवकुमार को तीन सेटों के कड़े मुकाबले में 21-17, 18-21, 21-16 से हराया। वहीं मनीषा रामदास के साथ मिश्रित युगल एसएल4-एसयू5 का खिताब हमवतन नितेश कुमार और तुलसीमथी मुरुगेसन को 21-19, 21-19 से हराकर जीता। तीन स्वर्ण जीतने के बाद प्रमोद ने कहा, जापान में तीन स्वर्ण पदक जीतना मायने रखता है। ऐसे देश में प्रदर्शन करना हमेशा खास होता है जो पैरा बैडमिंटन को महत्व देता है। हर मैच ने मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से परखा। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने दबाव को कैसे संभाला। यह जीत मुझे भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए बहुत प्रेरणा देती है। टोक्यो पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने एकल और मिश्रित युगल दोनों में दो स्वर्ण पदक जीते, जबकि सुकांत कदम ने पुरुष युगल में स्वर्ण और एकल में एक रजत पदक जीता। कृष्णा नागर ने एसएच6 पुरुष एकल और एसएच6 मिश्रित युगल में दो स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। एकल फाइनल में, नागर ने अमेरिका के माइल्स क्रेजेवस्की को हराया। वहीं नित्या श्री के साथ मिलकर, कृष्णा ने मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। जीत के बाद कृष्णा नागर ने कहा, मैं इस सप्ताह अपने प्रदर्शन से खुश हूं। हर मैच प्रतिस्पर्धी था और मुझे कड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने की मुझे खुशी है और मैं आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करता रहूंगा। सुकांत कदम ने पुरुष युगल में एसएल3-एसएल4 में प्रमोद भगत के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं एसएल4 एकल में हमवतन नवीन शिवकुमार से हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। नित्या श्री ने महिला एकल एसएच6 में स्वर्ण पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत के लिए अन्य पदक विजेताओं में मंदीप कौर और नीरज एसएल3 वर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य, महिला युगल एसएल3-एसयू5 में मानसी जोशी और तुलसीमथि मुरुगेसन ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि नीरज-आरती और संजना कुमारी-शांतिया ने कांस्य पदक जीता। मानसी जोशी और रूथिक रघुपति ने मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में कांस्य पदक जीता। सूर्यकांत ने पुरुषों के एसएल4 में कांस्य पदक जीता। तुलसीमथि, मनीषा रामदास और शांतिया ने महिला एसयू5 वर्ग में क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। हार्दिक मक्कड़ और रूथिक रघुपति ने पुरुष युगल एसयू5 में रजत पदक जीता।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज

फिसड्डी रह गया भारत, पाकिस्तान बना चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज में जहां भारत फिसड्डी साबित हुई वहीं पाकिस्तान ने तगड़े प्रदर्शन के दम पर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टूर्नामेंट के इस सीजन में पाकिस्तान ने फाइनल मुकाबले में कुवैत को हरा दिया और खिताब अपने नाम कर लिया। ये छठा मौका था जब पाकिस्तान ने हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज का खिताब अपने नाम किया।

इस सीजन का फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और कुवैत के बीच खेला गया था जिसमें पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 6 ओवर में 3 विकेट पर 135 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। इसके जवाब में कुवैत की टीम 5.1 ओवर में 6 विकेट पर 92 रन की बना पाई और उसे 43 रन से हार मिली। पाकिस्तान के कप्तान अब्बास अफरीदी को प्लेयर ऑफ द मैच के साथ-साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज का भी खिताब मिला।

अब्बास अफरीदी ने 11 गेंदों पर खेली 52 रन की पारी- फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान ने धमाकेदार अंदाज में बैटिंग की और उन्होंने 11 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली और रिटायर आउट हो गए। अफरीदी ने इस दौरान 7 छक्के और 2 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 472.73 का रहा। ओपनर अब्दुल समद ने भी 13 गेंदों पर 42 रन की पारी खेली जबकि ख्वाजा नफे ने 6 गेंदों पर 22 रन ठोक दिए। कुवैत के लिए मीत भावसार ने 3 विकेट लिए। कुवैत को जीत के लिए 136 रन का विशाल टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम इतने बड़े स्कोर को पार नहीं कर पाई। कुवैत के लिए मीत भवसार ने 12 गेंदों पर 33 रन जबकि अदनान इदरीस ने 8 गेंदों पर 30 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन वो इसमें सफल नहीं हो पाए।

आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप:

विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में चमके अनीश भानवाला, रजत पदक नाम किया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के निशानेबाज अनीश भानवाला ने रविवार को आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। भारत के निशानेबाज अनीश भानवाला ने रविवार को आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। हरियाणा के 23 वर्षीय अनीश ने फाइनल में दो बार शूट-ऑफ में जीत दर्ज की। पहले उन्होंने तीसरे स्थान के लिए जर्मनी के इमैनुएल म्यूलर को हराया और फिर यूक्रेन के मैक्सिम होरोडीनेट्स को मात देकर रजत पदक अपने नाम किया। अनीश ने क्वालिफिकेशन में 585 अंक (291+294) के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने पहली बार विश्व चैंपियनशिप के पिस्टल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में अनीश ने 28

अंक हासिल किए, जबकि फ्रांस के क्लेमेंट बेसागेट ने 31 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। बेसागेट ने क्वालीफिकेशन में भी 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। फाइनल की शुरुआती तीन सीरीज के बाद अनीश 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर थे, जबकि चीन के नी झिक्सिन 17 अंकों के साथ पहले स्थान पर थे। उन्होंने एलिमिनेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लगातार चार-चार अंक जुटाकर शीर्ष खिलाड़ियों की बराबरी बनाए रखी। तीसरे एलिमिनेशन राउंड में थोड़ी चूक के कारण वह पीछे रह गए और कुल 22 अंक पर पहुंचे, जबकि बेसागेट 25 अंकों के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। इसके बावजूद अनीश ने शानदार वापसी करते हुए शूट-ऑफ में जीत हासिल की और रजत पदक पक्का किया। भारत के अन्य निशानेबाजों में आदर्श सिंह ने 575 अंक (285+290) के साथ 22वां स्थान, जबकि समीर ने 571 अंक (286+285) के साथ 35वां स्थान हासिल किया। टीम स्पर्धा में अनीश, आदर्श और समीर की भारतीय टीम ने कुल 1731 अंक जुटाकर पांचवां स्थान प्राप्त किया।

एटीपी फाइनल्स

ज्वेरेव की शानदार शरुआत, शेल्टन के खिलाफ जीता मुकाबला

ट्यूरिन, एजेंसी। एटीपी फाइनल्स में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने अभियान की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है। जर्मनी के इस स्टार खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिकी युवा खिलाड़ी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(6) से शिकस्त दी। इनाल्पी एरिना में जीत के साथ, अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बेन शेल्टन के साथ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 5-0 का रिकॉर्ड बना लिया है। दो बार के एटीपी

चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में शेल्टन के 6/4 से आगे होने के बाद दो सेट प्वाइंट का सामना करने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव आठ दिन पहले पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जैनिक सिनर से मिली करारी हार के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह इस मुकाबले में बेहद तरोताजा नजर आए और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में अपनी सर्व पर बार-बार दबाव में आने और 2-2 के स्कोर पर दो ब्रेक प्वाइंट बचाने के बावजूद, बेन शेल्टन ने ज्वेरेव को टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। अमेरिकी खिलाड़ी ने टाई-ब्रेक में 4/0 की बढ़त के साथ जल्द ही निर्णायक सेट के लिए मजबूर कर दिया, और बाद में उन्होंने 6/4 पर दो सेट प्वाइंट बनाए। 6/5 पर एक आसान फोरहैंड नेट पर लगाया, और ज्वेरेव ने 7-6(6) से यह सेट अपने नाम किया। इस जीत के बाद अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को सराहा है। उन्होंने शेल्टन को दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बताते हुए कहा, वह अविश्वसनीय रूप से आक्रामक खिलाड़ी हैं। शायद दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक हैं। टाई-ब्रेक में उन्होंने शानदार शुरुआत की। मैंने शायद एक या दो पहले सर्व मिस किए और उन्होंने जो पासिंग शॉट मारा (5/4 पर) वह बेतुका था। मुझे उन चीजों पर नियंत्रण रखना होगा, जिन्हें मैं नियंत्रित कर सकता हूं। मैंने टाई-ब्रेक के अंत में अच्छा प्रदर्शन किया और इस जीत से बेहद खुश हूं।

विश्व शतरंज कप

विदित गुजराती बाहर, कार्तिक ने किया चौथे दौर में प्रवेश; पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्तिक की इस जीत के साथ अब तक पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इनमें अर्जुन एरिगेसी, आर. प्रज्ञानंद, पी. हरिकृष्णा, और विश्व जूनियर चैंपियन वी. प्रणव पहले ही चौथे दौर में जगह बना चुके हैं।

भारत के ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती का विश्व शतरंज कप में सफर रविवार को समाप्त हो गया। तीसरे दौर के टाई-ब्रेक मुकाबले में उन्हें अमेरिका के सैम शैंकलैंड के हाथों कड़े संघर्ष के बाद 2.5-3.5 से हार झेलनी पड़ी। भारत के एस. एल. नारायणन को भी टाई-ब्रेक के पहले सेट में चीन के यांगयी यू से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस बीच वी कार्तिक ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रोमानिया के डेक बोगदान-डैनियल को 1.5-0.5 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया।

पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में- कार्तिक की इस जीत के साथ अब तक पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इनमें अर्जुन एरिगेसी, आर. प्रज्ञानंद, पी. हरिकृष्णा, और विश्व जूनियर चैंपियन वी. प्रणव पहले ही चौथे दौर में जगह बना चुके हैं।

महिला जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित, ज्योति सिंह संभालेंगी कमान

नई दिल्ली। एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 का आयोजन 25 नवंबर से 13 दिसंबर के बीच चिली के सैंटियागो में होगा। हॉकी इंडिया ने इस विश्व कप के लिए 18 खिलाड़ियों के साथ दो वैकल्पिक खिलाड़ियों वाली 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। भारतीय टीम की कमान ज्योति सिंह को सौंपी गई है, जबकि निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज गोलकीपिंग का जिम्मा संभालेंगी। टीम अपनी कड़ी तैयारियों को परखने और विश्व मंच पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम को जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया के साथ पूल-सी में रखा गया है। भारत 1 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड

के खिलाफ मुकाबला खेला जाएगा। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीमें नॉकआउट चरणों में आगे बढ़ेंगी, जो 7 से 13 दिसंबर तक खेले जाएंगे। टीम चयन को लेकर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के हेड कोच तुषार खांडकर ने कहा, मैं भारतीय टीम और इस समय उनके खेलने के तरीके से बहुत खुश हूं। हॉकी में अनुशासन मेरा मुख्य सिद्धांत है। टीम को बनाते समय मैंने इसी को ध्यान में रखा है। हम कड़े प्रशिक्षण से गुजरे हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने रक्षात्मक ढांचे और प्रतिद्वंद्वी के स्कोरिंग क्षेत्र में फिनिशिंग पर कड़ी मेहनत की है। पिछले कुछ महीनों में लड़कियों ने अपने खेल में काफी सुधार और परिपक्वता दिखाई है। हम सभी चिली जाने के लिए तैयार और बहुत उत्साहित हैं। लड़कियां विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से प्रेरित हैं।

ऋचा का सफर बंगाल की बेटियों के दृढ़ संकल्प और जज्बे को दर्शाता है : झूलन गोस्वामी

नई दिल्ली। भारत की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने विश्व कप विजेता ऋचा घोष को बंग भूषण से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। उनका मानना है कि ऋचा का सफर बंगाल की बेटियों के दृढ़ संकल्प और जज्बे को दर्शाता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने हाल ही में संपन्न महिला वनडे विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अफ्रीका के खिलाफ 94 रन की पारी खेलने के अलावा, खिताबी मुकाबले में इसी टीम के खिलाफ 34 रन बनाने के साथ 1 कैच भी लपका था। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने ईडन गार्डन्स में 22 वर्षीय ऋचा के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें झूलन गोस्वामी और पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली भी मौजूद थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिसे शेयर करते हुए झूलन ने लिखा, मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। इस विशेष अवसर पर उपस्थित होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। ऋचा का सफर बंगाल की बेटियों के दृढ़ संकल्प और जज्बे को दर्शाता है। उनकी प्रतिभा को इस स्तर पर पहचाने जाने पर गर्व है। उन्हें अगली पीढ़ी को प्रेरित करते हुए देखकर और भी ज्यादा गर्व है। हार्दिक बधाई। इस सम्मान समारोह के दौरान ऋचा घोष को सीएबी की ओर से एक गुलदस्ता, एक स्मृति चिन्ह और 34 लाख रुपये का चेक भेंट किया गया था। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने उन्हें बंगाल क्रिकेट संघ की ओर से एक गोल्डन बैट और एक गोल्डन बॉल भी सौंपी। एक्स पर वीडियो के जरिए इस कार्यक्रम की झलकियां दिखाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लिखा, बंगाल की बेटियां बंगाल का सबसे बड़ा गौरव हैं। मुझे बंगाल क्रिकेट संघ की ओर से प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहां ऋचा घोष को भारत की विश्व कप जीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से, मैंने उन्हें राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक, बंग भूषण से सम्मानित किया। मैंने पश्चिम बंगाल पुलिस में उनकी पुलिस उपाधीक्षक के रूप में

रणजी ट्रॉफी :

10 चौके- 5 छक्के 8वें नंबर के बल्लेबाज ने जड़ा तूफानी शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में 8 नवंबर को चौथे राउंड की शुरुआत हुई. मुकाबलों के पहले दो दिन में अभी तक कई शानदार पारियां देखने को मिल चुकी हैं. कानपुर के ग्रीन पार्क में खेले जा रहे उत्तर प्रदेश-नागालैंड मैच में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला. इस मुकाबले की पहली पारी में उत्तर प्रदेश की ओर 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एक गेंदबाज ने शतक ठोक दिया. खास बात ये भी रही कि इस खिलाड़ी ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में पहली बार शतक जड़ने का कारनामा भी किया. वह पिछले 7 साल से फर्स्ट

इस बल्लेबाजों ने भी ठोके शतक

उत्तर प्रदेश की इस पारी में माधव कौशिक और आर्यन जुयाल के बल्ले से भी शानदार पारियां देखने को मिली. आर्यन जुयाल ने 205 गेंदों पर 140 रन बनाए, जिसमें 18 चौके शामिल रहे. दूसरी ओर, माधव कौशिक 374 गेंदें खेलने के बाद भी आउट नहीं हुए और 185 रन बनाकर नाबाद लौटे. माधव कौशिक की पारी में उनके बल्ले से 11 चौके देखने को मिले. वहीं, ओपनर अभिषेक गोस्वामी ने भी 55 रनों का योगदान देकर टीम को अच्छी शरुआत दिलाई.

8वें नंबर के बल्लेबाज की यादगार पारी

उत्तर प्रदेश ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, जो सही साबित हुआ. उत्तर प्रदेश ने अपनी पहली पारी 6 विकेट के नुकसान पर 535 रन बनाकर घोषित की. इस दौरान 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे तेज गेंदबाज शिवम मावी ने एक शानदार पारी खेली. उन्होंने तोबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की और चौकों-छक्कों की बारिश कर दी. उनके अलावा नागालैंड का हर एक गेंदबाज फेल साबित हुआ. शिवम मावी ने इस पारी में कुल 87 गेंदों का सामना किया और 116.09 के स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए. उनकी इस पारी में 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इसी के साथ शिवम मावी ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में पहली बार शतक जड़ने का कारनामा किया. बता दें, इस मुकाबले से पहले शिवम मावी ने 21 फर्स्ट क्लास मैच खेले थे, लेकिन वह एक बार भी 50 रन का आंकड़ा नहीं छू सके थे. लेकिन इस बार उन्होंने 50 रन का आंकड़ा भी पार

➲ अनुष्का शंकर को ग्रैमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिलने पर

प्रियंका चोपड़ा ने दी बधाई

ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 के नॉमिनेशन की घोषणा हो चुकी है। इसमें सितार वादक अनुष्का शंकर को नॉमिनेट किया गया है। इसके लिए बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने उन्हें बधाई दी है। संगीत जगत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक ग्रैमी अवॉर्ड्स के 68वें समारोह के नामांकित कलाकारों का एलान हो चुका है। ग्यारह बार की ग्रैमी-नामांकित सितारवादक और संगीतकार अनुष्का शंकर को साल 2026 के ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए दो नामांकन मिले हैं। इस खुशी के मौके पर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने पोस्ट साझा कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। जानिए उन्होंने क्या कहा। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सितारवादक अनुष्का शंकर का वीडियो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'बहुत शानदार, बधाई हो।'

अनुष्का शंकर ने साझा की खुशी

68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिलने पर अनुष्का शंकर ने खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने कहा, 'आज का दिन विरोधाभासों से भरा है। भयानक माइग्रेन के दौरान दोपहर में मुझे अपने 12वें और 13वें ग्रैमी नामांकन की खबर मिली।

तमन्ना ने बताया

आज की पीढ़ी को आयुर्वेद की जरूरत

तमन्ना भाटिया अपनी एक्टिंग के लिए तो जानी ही जाती है, लेकिन उनकी खूबसूरती और फिटनेस हमेशा चर्चा का विषय रही हैं। एक्ट्रेस घंटों शूटिंग के दौरान काम करती हैं लेकिन फिर भी एनर्जेटिक महसूस करती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तमन्ना आयुर्वेद की पुरानी पद्धति को फॉलो करती हैं? आयुष मंत्रालय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तमन्ना भाटिया का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने ऑयल पुलिंग और आयुर्वेद द्वारा उनके जीवन में आए बदलावों पर बात की है। वीडियो में तमन्ना कहती हैं, आयुर्वेद पिछले एक साल से मेरी जिंदगी का जरूरी हिस्सा रहा है। मैंने आयुर्वेद का सहारा लेकर डाइट और जीवनशैली में बदलाव किया। इन बदलावों ने मेरी जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया। मुझे लगता है कि हम लोग प्राचीन पद्धति को हल्के में लेते हैं, लेकिन इस सोच को बदलने की जरूरत है, खासकर आज की पीढ़ी के लिए। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि किसी भी पीढ़ी को उतनी आयुर्वेद की जरूरत महसूस नहीं हुई है जितनी हमारी पीढ़ी को हो रही है। हमें सबसे पहले अपनी जीवनशैली को बदलने की जरूरत है क्योंकि वो टॉक्सिक हो गई है।

बीते साल मैंने ऑयल पुलिंग सीखा और कोविड के समय ये भी जाना कि कैसे धीरे-धीरे चबाते हैं। ये चीजें सुनने में बहुत सिंपल लगती हैं, लेकिन यहीं चीजें गलत तरीके से की जाएं तो हेल्थ को बहुत प्रभावित करती हैं। बता दें कि ऑयल पुलिंग मुंह की बदबू और संक्रमण से बचने का बेहतरीन आयुर्वेदिक उपाय है। इसके लिए नारियल, जैतून या बादाम का तेल लेकर 3-5 मिनट मुंह के अंदर रखना होता है और उसे चारों तरफ घुमाना होता है। ये प्रक्रिया दांत और जीभ को साफ करने के बाद करनी होती है। इसे करने से जितनी भी गंदगी दांतों में बची होती है, वो ऑयल के जरिए बाहर आ जाती है। तमन्ना ने वीडियो में खाने को धीरे चबाने की बात भी की है। आयुर्वेद में इस बात का जिक्र किया गया है कि खाने के एक कौर को तकरीबन 15 से 20 बार चबाना चाहिए। जितने अच्छे तरीके से खाना चबाया जाएगा, उतना अच्छे से ही खाना पचता है।

कृष्णा और कश्मीरा संग रिश्ते में दरार पर बोलीं गोविंदा की पत्नी, कहा, हम बच्चों से कब तक रूठे रह सकते हैं

एक वक्त तक गोविंदा और कृष्णा के बीच रिश्ते खराब रहे हैं। अब इस रिश्ते पर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने बहुत नर्म लहजे में बात की है। बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा काफी दिनों से सुर्खियों में हैं। वह न सिर्फ अपनी फिल्मों बल्कि अपने परिवारिक संबंधों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। कई वर्षों तक गोविंदा और उनके भांजे, कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी कश्मीरा शाह के बीच अनबन रही है। इस मामले पर गोविंदा की पत्नी सुनीता ने अपनी बात रखी है।

2016 से 2024 तक रही अनबन : कथित तौर पर गोविंदा और कृष्णा के रिश्ते में 2016 में द कपिल शर्मा शो के दौरान दरार पड़ी थी। कृष्णा ने कहा था मैंने गोविंदा को अपना मामा बना कर रखा है। गोविंदा को यह बात अपमानजनक लगी थी। सुनीता और कृष्णा की पत्नी कश्मीरा शाह के बीच बहस के बाद बात और बिगड़ गई थी। हालांकि, 2024 में, द ग्रेट इंडियन कपिल शो में ये लोग फिर से आपस में मिल गए थे।

रिश्ते पर क्या बोलीं सुनीता?: वर्षों से चली आ रही अनबन के बारे में बात करते हुए, सुनीता ने दयालुता दिखाई। पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में, सुनीता ने कहा, मैं अपने बच्चों से कब तक नाराज रह सकती हूं? उन्होंने यह बात एक मुस्कान के साथ कही। उन्होंने आगे कहा जब सब अपनी-अपनी जगह पर खुश हैं, तो फिर मनमुटाव क्यों? मैं तो बस सभी बच्चों को आशीर्वाद देना चाहती हूं। वे मेरे अपने जैसे हैं।

पिता के लिए मांगे वोट

नेहा शर्मा ने भागलपुर रोड शो में

फोटो लेने के लिए बेताब दिखे फैंस

नेहा शर्मा के सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हैं, जिसमें वह भागलुपर, बिहार में अपने पिता अजित शर्मा के लिए वोट मांगती दिखीं। रोड शो में नेहा शर्मा को देखने के लिए फैंस की भीड़ भी उमड़ पड़ी। इन दिनों बिहार विधानसभा के चुनावों में नेता ही नहीं अभिनेता भी पूरी तरह से सक्रिय नजर आ रहे हैं। आज दूसरे चरण के प्रचार और प्रसार पर रोक लग जाएगी। इस आखिर मौके को प्रत्याशी खोना नहीं चाहते हैं, सभी ने जमकर अपना और पार्टी का प्रचार किया। इस दौरान भागलपुर में एक्ट्रेस नेहा शर्मा भी अपने पिता अजित शर्मा के साथ नजर आईं। भागलपुर के रोड़ शो में नेहा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फैंस पहुंचे। वह जनता से अपने पिता के लिए वोट मांगती दिखीं।

सेल्फी लेने की कोशिश करते दिखे फैंस

रोड शो में नेहा शर्मा को देखकर फैंस उनके साथ सेल्फी और फोटो लेने के लिए उत्साहित नजर आए। कई लोगों से वह हाथ मिलाती भी दिखीं। कहीं पर लोगों के स्वागत का जवाब नमस्ते के जरिए करती दिख रही हैं। वायरल वीडियो में वह रोड शो में अपने पिता के साथ मौजूद थीं।

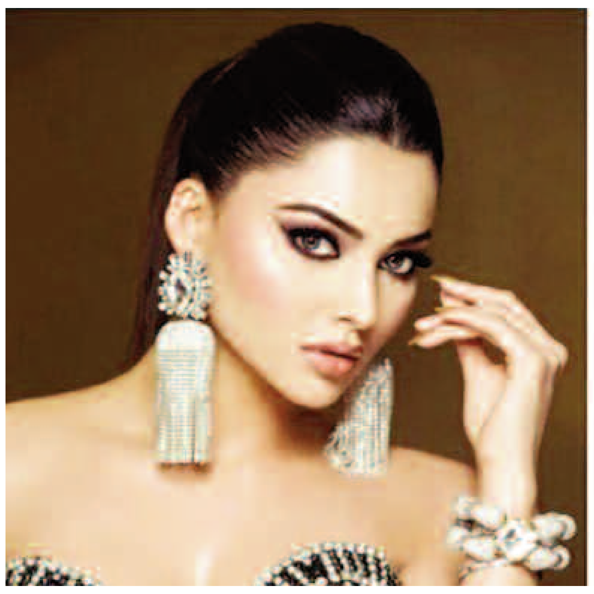

उर्वशी रौतेला ने खुद को बताया प्राकृतिक

राखी सावंत ने किया पलटवार; प्लास्टिक सर्जरी को लेकर कह दी बड़ी बात

राखी सावंत अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी प्लास्टिक सर्जरी को लेकर हमेशा से ही खुलकर बात की है। हाल ही में उन्होंने उर्वशी रौतेला पर बयानबाजी की है, जिन्होंने खुद को पूरी तरह से प्राकृतिक बताते हुए पहाड़ी लड़की बताया था। राखी ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि सभी ने उनकी पुरानी तस्वीरें देखी हैं, जो उनकी सर्जरी की ओर इशारा करती हैं।

राखी ने की उर्वशी पर बयानबाजी

बातचीत में राखी सावंत ने कहा कुछ लोग नहीं बोलते, फिर उर्वशी की तरह सब बोलते हैं मैं तो पैदाइशी ऐसी हूं! उर्वशी हमने तुम्हारे पुराने फोटो देखे हैं बहन। प्लीज सबके पुराने फोटो देखो! देखो भाई एक बात बोलूं- सर्जरी करो या ना करो, वो आपकी मर्जी है, आपका अधिकार है। आपको अच्छा दिखना है, आपकी दाल-रोटी चल रही है, सर्जरी से आपको काम मिल रहा है, तो करना चाहिए! उसमें कोई बुरी बात नहीं है। आपकी बॉडी है, किसी और के शरीर पर थोड़े ना करवा रही हो।

सर्जरी कराना खुद का फैसला

राखी सावंत ने आगे कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में सर्जरी करवाना अक्सर जरूरी होता है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह कोई भी सर्जरी करवाना चाहेगा, तो यह उनका अपना फैसला होगा और उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

सर्जरी को लेकर राखी का दावा

राखी सावंत ने आगे कहा इंडस्ट्री के सभी लोगों ने सर्जरी कराई है।

किसी ने ए कराया, किसी ने बी कराया किसी ने तो पूरा कराया है। हर किसी की अपनी मर्जी है। उनको भी तो अच्छा दिखना है। तभी तो काम मिलेगा।

राखी का पुराना डायलॉग: राखी ने कहा मेरा तो पुराना डायलॉग है जो खुदा ने पैदा करके नहीं भेजा, वो डॉक्टर ने दे दिया। नकली लगा दिया, हर चीज नकली लगा दी।

सोनम खान ने खुशी का राज किया बेपर्दा, कहा-

आजाद रहो और अपने फैसले खुद लो

कई फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम खान ने शनिवार को खुशी के पीछे के रहस्य को उजागर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट तस्वीरों के साथ लिखा, अगर आप सच में खुश रहना चाहते हैं, तो आपको आजाद रहना होगा

और अपने फैसले खुद लेने पड़ेंगे। अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सोनम ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, लेकिन जल्द ही सिनेमा छोड़ भी दिया था। उन्होंने करियर की शुरुआत 1987 में तेलुगु फिल्म से की थी, लेकिन उन्हें पहचान तिरछी टोपी गाने से मिली थी। अभिनेत्री ने साल 1988 में फिल्म विजय से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने त्रिदेव, अजूबा, और विश्वात्मा जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, अपने करियर के शिखर पर 1991 में उन्होंने निर्देशक राजीव राय से शादी करने के बाद इंडस्ट्री छोड़ दी थी।सोनम खान ने पहली शादी 18 साल की उम्र में डायरेक्टर राजीव राय से मंदिर में की थी। इसके बाद सोनम ने हिंदू धर्म अपना लिया। राजीव राय ने बतौर डायरेक्टर, स्क्रीनराइटर और फिल्म एडिटर काम किया और युद्ध, मोहरा, त्रिदेव जैसी फिल्में डायरेक्ट कीं, जिनमें से एक में सोनम ने काम किया। राजीव और सोनम का एक बेटा है, जिसका नाम गौरव है। 2016 में राजीव और सोनम अलग हो गए थे। बाद में राजीव ने मुंबई छोड़कर ब्रिटेन जाने का फैसला किया। वहीं, सोनम मुंबई में ही रहने लगीं। राजीव राय मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर गुलशन राय के बेटे हैं। उन्होंने दीवार और मोहरा जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं।

खेसारी के पत्नी को बहन बनाने वाले बयान पर

रानी चटर्जी ने कसा तंज, कहा- हमेशा विक्टिम कार्ड प्ले करते हैं

भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। अब बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भोजपुरी स्टार और राजद उम्मीदवार खेसारी लाल यादव को खरी-खरी सुनाई है। रानी चटर्जी ने खेसारी द्वारा पत्नी और बहन को लेकर दिए बयान को विक्टिम कार्ड प्ले करना बताया है। रानी चटर्जी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें खेसारी लाल यादव बिहार की सुरक्षा और रिश्तों पर बात कर रहे हैं। खेसारी कहते हैं, मैं अपनी पत्नी से घर में बहुत प्यार भी करता हूं, लेकिन जब बाहर जाता हूं, तो एक भाई की तरह जाता हूं कि इस बहन की सुरक्षा करनी है। सिंगर के इस बयान को बहुत वायरल किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर मीम्स भी बनने शुरू हो चुके हैं। इसी बयान वाले वीडियो को री-पोस्ट कर रानी चटर्जी ने खेसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, मतलब पति बनकर आप सुरक्षा नहीं कर सकते? क्या बकवास है, हे भगवान, ये सब क्या सुनना पड़ रहा है। खेसारी जी, मतलब कितनी बकवास। इन्हें कोई अच्छा सलाहकार दे दिया जाए, जो इनको बता सके कि इंटरव्यू में क्या बोलना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, ये हमेशा विक्टिम कार्ड प्ले करते हैं। इससे पहले इसी बयान को लेकर पवन सिंह भी खेसारी को आड़े हाथ ले चुके हैं। उन्होंने मीडिया के सामने कहा था कि खेसारी लाल यादव की कोई गारंटी नहीं है, कब बीवी को बहन बना लें और कब बहन को बीवी बना लें। बता दें कि रानी चटर्जी और खेसारी लाल यादव एक समय पर बहुत अच्छे को-स्टार हुआ करते थे, लेकिन दोनों के बीच विवाद की खबरें आईं और दोनों ने स्क्रीन पर साथ दिखना बंद कर दिया। रानी ने खेसारी और आकांक्षा पुरी के जिम वीडियो को भी रोस्ट किया था और कहा था कि ऐसे जिम कौन करता है? जिम तो हर कोई करता है, लेकिन ऐसा आज तक नहीं देखा। इसके साथ ही रानी चटर्जी नई फिल्मों की शूटिंग में भी बिजी हैं। उन्होंने हाल ही में यूपी वाली बिहार वाली फिल्म की शूटिंग शुरू की है।

दिलजीत को फिर मिली धमकी

अमिताभ के पैर छूने से हैं नाराज

गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ को पहले से ही धमकियां मिल रही थीं। ऐसे में अब उन्हें नई धमकी मिली है। खालिस्तानी समर्थकों ने गायक को क्या धमकी दी है, आइए जानते हैं। पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने औरा टूर पर हैं। उन्हें अमेरिकी खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की तरफ से दी गई चेतावनी के बाद नई धमकियां मिली हैं। पर्थ में गायक के कॉन्सर्ट में कथित तौर पर खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए थे। अब न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में उनके अपकमिंग शो को खालिस्तानी समर्थकों द्वारा बाधित करने की धमकी दी गई है।

शांत हैं गायक

अमिताभ बच्चन के पैर छूने के उनके कदम से उठे विवाद के बाद दोसांझ को प्रतिबंधित खालिस्तानी समूह एसएफजे से धमकियां मिल रही हैं। गायक ने इन धमकियों के बावजूद शांत बने रहने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने संगीत कार्यक्रम की झलकियां साझा की हैं।

साभार एजेंसी